website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 92 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 13 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

सावरकर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को राहत

» नासिक अदालत ने बंद किया मानहानि केस

नासिक। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सावरकर टिप्पणी मामले में बड़ी राहत मिली है। बुधवार 11 मार्च को नासिक की एक आपराधिक अदालत ने उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले को बंद कर दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आर.एल. नरवाडे की अदालत ने यह फैसला सुनाया। यह मामला हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को लेकर की गई टिप्पणियों से जुड़ा था, जो राहुल गांधी ने वर्ष 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान की थीं। उस समय अकोला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने सावरकर से जुड़े कुछ ऐतिहासिक दस्तावेज दिखाते हुए बयान दिया था।

नासिक के सामाजिक कार्यकर्ता ने दर्ज कराई थी शिकायत

राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत नासिक स्थित निर्भया फाउंडेशन के अध्यक्ष देवेंद्र भुटाडा ने दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि 15 और 16 जून 2022 को हिंगोली और अकोला में आयोजित रैलियों के दौरान राहुल गांधी की टिप्पणियां मानहानि करने वाली और अपमानजनक थीं।

इन धाराओं में दर्ज हुआ था केस

शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) और धारा 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत मामला दर्ज किया गया था। सितंबर 2024 में नासिक अदालत ने राहुल गांधी को इस मामले में समन भी जारी किया था। बाद में उन्हें अदालत से जमानत मिल गई और कार्यवाही में वर्चुअल माध्यम से उपस्थित होने की अनुमति भी दी गई। सुनवाई के दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था।

शिकायत वापस लेने के बाद बंद हुई कार्यवाही

कानूनी रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने पहले दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 202 के तहत जांच के आदेश दिए थे। पुलिस की रिपोर्ट आने के बाद शिकायतकर्ता ने अदालत में आवेदन देकर मामला वापस लेने की मांग की। इसके बाद ट्रायल जज ने मानहानि से जुड़ी पूरी कार्यवाही को औपचारिक रूप से बंद कर दिया।

प्रयागराज में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

» दो मंदिरों के विकास पर 3.46 करोड़ खर्च

प्रयागराज। प्रयागराज में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने दो प्रमुख आस्था स्थलों के विकास की योजना को मंजूरी दी है। करछना स्थित फलाहिरी बाबा मंदिर और सोरांव तहसील के दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के विकास और सौंदर्यीकरण पर करीब 3.46 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। राज्य के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन परियोजनाओं के तहत मंदिर परिसरों का सौंदर्यीकरण, आधुनिक लाइटिंग, भव्य प्रवेश द्वार, यात्री शेड, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय और पेयजल जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। फलाहिरी बाबा मंदिर के लिए लगभग 1.64 करोड़ और दुर्गा मंदिर परियोजना के लिए करीब 1.82 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य प्रसिद्ध तीर्थस्थलों के साथ कम चर्चित धार्मिक स्थलों को भी पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाना है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को नई गति मिले।

पीएम मोदी शुक्रवार को जारी करेंगे पीएम-किसान की 22वीं किस्त

» 9.32 करोड़ किसानों के खातों में पहुंचेंगे ₹18,640 करोड़

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को असम के गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-Kisan) की 22वीं किस्त के रूप में देश के 9.32 करोड़ किसानों के खातों में ₹18,640 करोड़ की राशि सीधे तौर पर हस्तांतरित करेंगे। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह जानकारी गुरुवार को अपने आवास पर पत्रकारों को दी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत सरकार की कृषि के क्षेत्र में पिछले 12 वर्षों में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत अब अनाज की कमी वाले देश से निकलकर एक वैश्विक शक्ति बन गया है और ये साकार हुआ है सरकार की नीति और किसानों कि मेहनत के कारण। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया की भारत 150 मिलियन टन चावल उत्पादन के साथ चीन को पीछे छोड़कर आज दुनिया में पहले स्थान पर है। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि 2014 के कुल खाद्यान्न उत्पादन 252 मिलियन टन के मुकाबले आज देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 357 मिलियन टन हो गया है। बागवानी (Horticulture) में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन 277 मिलियन टन से बढ़कर 369 मिलियन टन तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि दाल उत्पादन में आज भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत दालों का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। सरकार तुअर, मसूर और उड़द जैसी दालों की रिकॉर्ड खरीदारी कर रही है। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों की सहायता के लिए सरकार ने "भारत विस्तार" (Bharat Vistar) नामक एक AI डिजिटल प्लेटफॉर्म का पहला चरण लॉन्च किया है। इसके माध्यम से किसान केवल एक फोन कॉल के जरिए अपनी स्थानीय भाषा में खेती से जुड़ी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। पिछले वर्षों में हमने एमएसपी गेहूं, धन कपास तिलहन और दलहन की रिकार्ड खरीदी की है और किसानों को सस्ते दामों पर खाद खरीदना सुनिश्चित किया है। इस दौरान, केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि 2014 में जो कृषि ऋण ₹8 लाख 45 हजार करोड़ था, वह अब बढ़कर ₹28 लाख 69 हजार करोड़ हो गया है। फसल बीमा योजना के तहत किसानों के खातों में लगभग ₹2 लाख करोड़ की क्लेम राशि जमा की गई है। साथ ही बजट में भारी वृद्धि की गई है। यूपीए सरकार के समय का ₹27,000 करोड़ का कृषि बजट अब बढ़कर ₹1.40 लाख करोड़ सालाना से अधिक हो गया है।

एलपीजी संकट के बीच कंगना रनौत का बयान

पीएम मोदी पर भरोसा रखें, कोविड की तरह देश की रक्षा करेंगे

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण देश में एलपीजी संकट की आशंका के बीच भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत ने लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह कोविड काल में प्रधानमंत्री ने देश को संभाला था, उसी तरह मौजूदा हालात में भी सरकार स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटेगी। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने कहा कि आज पूरा विश्व महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की कमी जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। कई देशों में हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन भारत में सरकार लगातार नई योजनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एलपीजी आपूर्ति को लेकर भी सरकार की ओर से भरोसा दिलाया गया है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा, "पूरा विश्व देख रहा है कि हर जगह महंगाई बढ़ रही है और कई चीजों की किल्लत हो रही है। हमारे देश में हर दिन नई योजनाएं लाई जा रही हैं। हम चुनाव की तैयारी कर रहे हैं और एलपीजी को लेकर भी

पूरा आश्वासन दिया गया है। मैं लोगों से कहूंगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा विश्वास रखें। कोविड के समय भी जिस प्रकार उन्होंने पूरे विश्व का नेतृत्व किया था, अभी भी वैसा ही होगा।" इस बीच कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की स्थिति को लेकर सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि देश में जो स्थिति अभी दिखाई दे रही है, वह केवल शुरुआत है और आने वाले समय में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बड़ी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। राहुल गांधी का कहना है कि वह इस मुद्दे पर संसद में विस्तार से बोलना चाहते थे, लेकिन नई संसदीय प्रक्रिया के तहत पहले मंत्री बोलेंगे, उसके बाद उन्हें अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में गैस और पेट्रोल दोनों बड़ी समस्या बन सकते हैं, क्योंकि भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार को आगाह करते हुए कहा कि अभी भी तैयारी करने का समय है और सरकार को इस संभावित संकट से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उनका कहना है कि यदि समय रहते तैयारी नहीं की गई तो इसका असर करोड़ों लोगों पर पड़ सकता है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि यह मुद्दा केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि ईरान भारत को ईंधन देगा या नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था तेजी से बदल रही है और अंतरराष्ट्रीय हालात अस्थिर होते जा रहे हैं। ऐसे में भारत को अपने हितों को ध्यान में रखते हुए नई रणनीति और नई सोच अपनानी होगी, ताकि भविष्य में ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों का प्रभावी समाधान किया जा सके।

'संसद से नरेंद्र गायब, देश से सिलेंडर गायब':

LPG संकट पर राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तंज

नई दिल्ली। देश में एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति को लेकर पैदा हुए संकट और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच संसद के बाहर विपक्ष ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एलपीजी संकट पर चिंता जताई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रदर्शन की तस्वीरें साझा करते हुए तंज कसा, "संसद से नरेंद्र गायब, देश से सिलेंडर गायब।" संसद परिसर के मकर द्वार के पास कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और अन्य विपक्षी दलों के सांसद एकत्र हुए। इस दौरान विपक्षी नेताओं ने गैस सिलेंडर की आकृति वाली तख्तियां हाथ में लेकर "मोदी जी एलपीजी" के नारे लगाए

और सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। राहुल गांधी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और मीडिया से बातचीत में सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री देश से कह रहे हैं कि एलपीजी संकट को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन वह खुद अलग कारणों से घबराए हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री सदन में आकर जवाब देने से बच रहे हैं और लोगों से संयम रखने की अपील कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री अदाणी मामले और तथाकथित 'एप्सटीन फाइल' जैसे मुद्दों को लेकर दबाव में हैं, इसलिए संसद में आने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को एलपीजी की किल्लत और बढ़ती महंगाई पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। दरअसल, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के बीच देश में रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई जा रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोगों से अपील की थी कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल सत्यापित जानकारी ही साझा करें। उन्होंने भरोसा दिलाया था कि सरकार जनहित की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज पर हमला, भारत ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक थाई जहाज पर हुए हमले को लेकर भारत ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। इस संबंध में भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव के दौरान व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया जाना चिंताजनक है और इससे अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा पर खतरा पैदा होता है।

विदेश मंत्रालय ने जारी किया आधिकारिक बयान

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार 11 मार्च को जिस थाई मालवाहक जहाज 'मयूरी नारी' पर हमला हुआ, वह भारत के कांडला बंदरगाह की ओर आ रहा था। घटना के बाद भारत सरकार पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है।

दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को चौबीसों घंटे सतर्क रहने के निर्देश

भारत के विदेश मंत्रालय ने खाड़ी देशों और इज़राइल में स्थित सभी भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को चौबीसों घंटे सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं ताकि संकट में फंसे भारतीय नागरिक तुरंत संपर्क कर सकें। सरकार ने कहा कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। भारत ने क्षेत्र में सभी पक्षों से

संयम बरतने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा बनाए रखने की अपील भी की है।

दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में शामिल है होर्मुज जलडमरूमध्य

भारत ने दोहराया है कि व्यावसायिक जहाजों को निशाना बनाना, निर्दोष चालक दल के सदस्यों को खतरे में डालना या समुद्री मार्गों पर आवाजाही और व्यापार की स्वतंत्रता में बाधा डालना उचित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और अन्य व्यापारिक सामान का आवागमन होता है। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के कारण हाल के दिनों में इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं और भी बढ़ गई हैं।

भारत में तेल की कोई कमी नहीं, 70 दिन से अधिक का भंडार मौजूद: केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारत में तेल की कोई कमी नहीं है और देश के पास पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार भारत के रणनीतिक तेल भंडार और करीब 40 तेल निर्यातक देशों से हो रही आपूर्ति के कारण देश किसी भी संभावित ऊर्जा संकट का मजबूती से सामना करने की स्थिति में है। अधिकारी ने बताया कि देश के पास 70 दिनों से अधिक की बाजार मांग को पूरा करने के लिए कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार मौजूद है। साथ ही भारत के पास इतना विदेशी मुद्रा भंडार भी है कि वह अगले 11–12 महीनों तक आयात की जरूरतों को पूरा कर सकता है और आने वाले वर्षों में तेल आयात का बिल चुकाने में सक्षम है। सरकार

ने कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए मध्य पूर्व पर निर्भरता भी कम की है। वर्तमान में भारत रियायती दरों पर रूस से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जो कुल आयात का लगभग एक तिहाई है। इसके अलावा इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका जैसे देशों से भी तेल आयात किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक भारत की मुद्रास्फीति दर करीब 2.75 प्रतिशत है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम है। वहीं पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों में सीमित भंडार के कारण ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

उत्तराखंड में खाद्य और रसद आपूर्ति पर कड़ी निगरानी

सीएम धामी के निर्देश पर अधिकारियों की विशेष तैनाती

देहरादून। वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश में खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर देहरादून स्थित उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) में विभिन्न अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अगले आदेशों तक कर दी गई है। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार इन अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था और वितरण प्रणाली की लगातार निगरानी सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही खाद्य और रसद से संबंधित सूचनाओं का नियमित संकलन, उनका विश्लेषण तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार तैनात अधिकारी और विशेषज्ञ उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे और प्रतिदिन खाद्य व रसद की स्थिति की समीक्षा करेंगे। वे आवश्यक सूचनाओं

का संकलन और विश्लेषण करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति में खाद्यान्न, एलपीजी और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश में खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर्याप्त है तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार सभी व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि आम जनता को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। राज्य सरकार के इस कदम से प्रदेश में खाद्य और रसद आपूर्ति व्यवस्था को और मजबूत करने में मदद मिलेगी तथा किसी भी संभावित आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में प्रशासन को सहूलियत मिलेगी।

राजस्थान की राजनीति में बड़ा बदलाव संभव: परिसीमन के बाद 70 नई विधानसभा सीटों की तैयारी

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य में करीब 70 नई सीटें बढ़ाए जाने की संभावना जताई जा रही है। अगर यह प्रस्ताव लागू होता है तो राजस्थान विधानसभा में विधायकों की संख्या 200 से बढ़कर 270 तक पहुंच सकती है। इससे राज्य की राजनीतिक तस्वीर में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

स्पीकर वासुदेव देवनानी ने दी अहम जानकारी

विधानसभा सीटों को बढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर राजस्थान विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि भविष्य में सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए विधानसभा के लिए नए सदन के निर्माण की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत मौजूदा व्यवस्था को विस्तार दिया जाएगा ताकि अधिक विधायकों के बैठने की व्यवस्था की जा सके।

नए विधानसभा सदन में 280 सदस्यों के बैठने की क्षमता

स्पीकर ने बताया कि प्रस्तावित नए विधानसभा सदन को इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि उसमें करीब 280 सदस्यों के बैठने की क्षमता हो। यानी आने वाले समय में यदि सीटों की संख्या बढ़ती है तो भी नए भवन में पर्याप्त जगह उपलब्ध रहेगी। इससे विधानसभा की कार्यवाही सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी।

संसद भवन की तर्ज पर बनेगा आधुनिक विधानसभा परिसर

नई विधानसभा का निर्माण नई दिल्ली के संसद भवन की तर्ज पर किया जाएगा। योजना के अनुसार भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसके साथ ही संसद भवन की तरह ही एक सेंट्रल हॉल भी बनाया जाएगा, जहां महत्वपूर्ण बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। इससे विधानसभा परिसर को आधुनिक और अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी बजट को मंजूरी

इस परियोजना के लिए राज्य सरकार की ओर से बजट भी जारी किया जा चुका है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसके लिए बजट को मंजूरी दे दी है। इसके बाद अब नए विधानसभा सदन के निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।

अगले चुनाव से पहले परिसीमन पूरा करने की योजना

बताया जा रहा है कि राजस्थान में अगले विधानसभा चुनाव से पहले ही परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करने की योजना है। परिसीमन के बाद विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं बदली जाएंगी और नई सीटों का गठन किया जाएगा। इससे राज्य में जनसंख्या के हिसाब से प्रतिनिधित्व को और संतुलित बनाने में मदद मिलेगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

इच्छा मृत्यु पर कानून बनाने की जरूरत

भारत में इच्छामृत्यु यानी पैसिव यूथेनेशिया का मुद्दा लंबे समय से कानूनी, नैतिक और मानवीय बहस का विषय रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने 13 वर्षों से कोमा में पड़े युवक हरीश राणा को लाइफ सपोर्ट सिस्टम से अलग करने की अनुमति दी, जिससे इच्छामृत्यु पर एक महत्वपूर्ण और मानवीय फैसला सामने आया। यह फैसला केवल एक व्यक्ति की पीड़ा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न को भी उजागर करता है कि क्या असाध्य बीमारी और असहनीय दर्द झेल रहे व्यक्ति को सम्मानपूर्वक मृत्यु का अधिकार मिलना चाहिए। हरीश राणा दिल्ली में जन्मे और चंडीगढ़ स्थित पंजाब के बीटेक छात्र थे। 2013 में हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद उन्हें गंभीर चोटें आईं और वे कोमा में चले गए। डॉक्टरों ने उन्हें क्वाड्रिप्लेजिया बताया, जिसमें मरीज के चारों अंग काम करना बंद कर देते हैं और वह पूरी तरह लाइफ सपोर्ट पर निर्भर हो जाता है। पिछले 13 वर्षों से वे वेंटिलेटर और फीडिंग ट्यूब के सहारे जीवन यापन कर रहे हैं। लंबी अवधि तक बिस्तर पर रहने से उनके शरीर पर घाव बन गए और स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। परिवार के लिए यह मानसिक पीड़ा के साथ-साथ भारी आर्थिक बोझ भी बन गई। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में निर्देश दिया कि लाइफ सपोर्ट को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए, ताकि मरीज की गरिमा बनी रहे। भारत में इच्छामृत्यु को लेकर न्यायिक आधार पहले से मौजूद है। 2011 में मुंबई की नर्स अरुणा शानबाग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार पैसिव यूथेनेशिया को सीमित रूप में मान्यता दी। 2018 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए पैसिव यूथेनेशिया को वैध ठहराया और 'लिविंग विल' को भी कानूनी मान्यता दी। उस समय पीठ ने कहा कि सम्मान के साथ जीने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आता है, इसलिए आवश्यक है कि संसद इस विषय पर स्पष्ट और व्यापक कानून बनाए। दुनिया के विभिन्न देशों में इच्छामृत्यु को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाए गए हैं। अमेरिका में संघीय स्तर पर एक्टिव यूथेनेशिया अवैध है, जबकि कुछ राज्यों में डॉक्टर की सहायता से मृत्यु की सीमित अनुमति है। चीन, रूस और पाकिस्तान में इच्छामृत्यु पूरी तरह प्रतिबंधित है। वहीं नीदरलैंड, बेल्जियम और कनाडा जैसे देशों ने सामाजिक और कानूनी मानदंड तय कर इच्छामृत्यु को मान्यता दी है। भारत में कानून बनाते समय संवेदनशील मुद्दों पर संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक बोझ, पारिवारिक दबाव या संपत्ति विवाद के कारण किसी मरीज को इच्छामृत्यु की ओर न धकेला जाए। इसके लिए कठोर मानदंड, चिकित्सकीय सहमति और न्यायिक निगरानी जरूरी हैं। साथ ही 'लिविंग विल' जैसे उपकरणों को कानूनी मान्यता देना आवश्यक है, जिससे मरीज अपनी इच्छानुसार जीवन और मृत्यु का निर्णय ले सके।

जितनी लंबी जंग, उतने व्यापक दुष्परिणाम

मध्य पूर्व एक बार फिर युद्ध की आग में झुलस रहा है। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य तनाव अब केवल क्षेत्रीय टकराव नहीं रह गया है, बल्कि इसके असर पूरी दुनिया में महसूस किए जा रहे हैं। यह स्पष्ट है कि कोई भी युद्ध एकतरफा नहीं होता और उसकी जिम्मेदारी भी किसी एक पक्ष पर नहीं डाली जा सकती। फिर भी जिस तरह शांति वार्ताओं के बीच ईरान पर हमले की शुरुआत हुई, उससे यह धारणा मजबूत हुई कि इस संघर्ष की शुरुआत अमेरिका और इजराइल की ओर से हुई। इतिहास गवाह है कि युद्ध अक्सर उन तर्कों के आधार पर शुरू किए जाते हैं, जिनकी सच्चाई बाद में संदिग्ध साबित होती है। वर्ष 2003 में इराक युद्ध 2003 के समय अमेरिका ने इराक पर जनसंहारक हथियारों के होने का आरोप लगाते हुए हमला किया था। उस समय के इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाकर अंततः मौत की सजा दी गई, लेकिन आज तक ऐसे किसी हथियार का स्पष्ट प्रमाण सामने नहीं आया। इसी अनुभव के कारण आज जब अमेरिका यह तर्क देता है कि ईरान उस पर हमला करने वाला था, तो विश्व समुदाय में इस पर सहज विश्वास करना कठिन हो जाता है। हालिया संघर्ष में शुरुआती हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई सहित शीर्ष नेतृत्व के कई महत्वपूर्ण लोगों के मारे जाने की खबरें सामने आईं। माना गया कि यह हमला अत्यंत सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया था। माना जाता है कि इजराइल की अत्यंत विकसित खुफिया प्रणाली और अमेरिका की सैन्य शक्ति ने यह अनुमान लगाया होगा कि ईरान की नेतृत्व संरचना को कमजोर कर वहां शीघ्र ही एक नई सरकार स्थापित की जा सकती है। किंतु युद्ध के कई दिनों बाद भी स्थिति यह स्पष्ट कर चुकी है कि यह आकलन वास्तविकता से दूर था। ईरान भले ही अमेरिका जैसी आर्थिक और सैन्य महाशक्ति से सीधे मुकाबले में जीत की उम्मीद न करता हो, लेकिन वह अपनी संप्रभुता और अस्तित्व की रक्षा के लिए लंबी लड़ाई लड़ने का संकल्प दिखा रहा है। यही कारण है कि युद्ध लगातार लंबा खिंचता दिखाई दे रहा है और इसके प्रभाव भी लगातार व्यापक होते जा रहे हैं। इजराइल की आबादी भले ही कम हो, लेकिन उसकी रक्षा तकनीक, मिसाइल रक्षा प्रणाली और आधुनिक हथियारों की क्षमता दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इसके बावजूद ईरान के जवाबी हमले इस संघर्ष को कठिन बनाते जा रहे हैं। युद्ध के दौरान एक दिलचस्प आर्थिक पहलू भी सामने आया है। ईरान द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे ड्रोन अपेक्षाकृत सस्ते हैं, जिनकी लागत लाखों रुपये में है, जबकि उन्हें मार गिराने के लिए अमेरिका को अत्यंत महंगी मिसाइलों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जिनकी कीमत करोड़ों रुपये तक होती है। इससे युद्ध की आर्थिक लागत बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका का दैनिक युद्ध खर्च हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह खर्च केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि युद्ध से जुड़े रसद, परिवहन, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य तैनाती पर भी भारी राशि खर्च हो रही है। युद्ध जितना लंबा चलेगा, अमेरिका के लिए आर्थिक बोझ उतना ही बढ़ता जाएगा। यही कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी इस युद्ध के जल्द समाप्त होने की बात करते हैं, तो कभी इसके कई सप्ताह तक चलने की संभावना जताते हैं। दूसरी ओर ईरान ने संकेत दिया है कि वह लंबी अवधि के संघर्ष के लिए तैयार है। यदि युद्ध जमीन पर उतरता है और प्रत्यक्ष सैन्य टकराव बढ़ता है, तो इसका असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। विशेष रूप से अमेरिकी सैनिकों के हताहत होने की स्थिति में अमेरिका के भीतर राजनीतिक और सामाजिक दबाव बढ़ना तय है। इतिहास बताता है कि अमेरिकी समाज अपने सैनिकों की मौत को लेकर अत्यंत संवेदनशील होता है। इजराइल की सैन्य कार्रवाई में अमेरिका की सक्रिय भागीदारी के विरोध में कई देशों में पहले से ही प्रदर्शन हो रहे हैं। यदि युद्ध लंबा खिंचता है और हताहतों की संख्या बढ़ती है, तो यह विरोध और तेज हो सकता है। इससे अमेरिकी नेतृत्व को घरेलू स्तर पर भी राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस युद्ध का एक महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक राजनीति से भी जुड़ा है। अमेरिका लंबे समय से विश्व व्यवस्था में प्रमुख शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहा है, लेकिन इस संघर्ष में कई पारंपरिक सहयोगी देश उसके साथ खुलकर खड़े नहीं दिखाई दे रहे। नाटो के कई सदस्य देशों ने ईरान पर हमले में भागीदारी से दूरी बनाए रखी है। कुछ देशों ने तो अमेरिका को अपने सैन्य अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति तक नहीं दी। इस स्थिति को कई विश्लेषक वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव के संकेत के रूप में देख रहे हैं। एक समय था जब अमेरिका के नेतृत्व में होने वाले सैन्य अभियानों में उसके सहयोगी देश सक्रिय रूप से शामिल होते थे, लेकिन अब विश्व राजनीति अधिक बहुध्रुवीय होती जा रही है। इस संघर्ष में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है, वह है वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर इसका प्रभाव। दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर गुजरता है। यह जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है और वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग एक चौथाई हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। ईरान द्वारा इस मार्ग पर नियंत्रण और इसके आंशिक अवरोध ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में चिंता बढ़ा दी है। यदि इस मार्ग पर लंबे समय तक बाधा बनी रहती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि हो सकती है। इसका सीधा असर पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों पर पड़ेगा, जिससे दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित होंगी। ऊर्जा संकट के अलावा शिपिंग और वैश्विक व्यापार पर भी इसका प्रभाव दिखाई देने लगा है। कई जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है और परिवहन लागत बढ़ने की आशंका है। इससे उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है। इस संघर्ष का एक कूटनीतिक पहलू भी है। ईरान ने संकेत दिया है कि कुछ देशों के प्रति उसका रवैया अलग हो सकता है। विशेष रूप से चीन और रूस के साथ उसके संबंध अपेक्षाकृत मित्रतापूर्ण माने जाते हैं। यदि इन देशों से ईरान को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता है, तो यह संघर्ष और लंबा तथा जटिल हो सकता है। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है और पश्चिम एशिया भारत के लिए महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत है। यदि युद्ध लंबा चलता है, तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर भी इसका असर पड़ सकता है। हालांकि भारत ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपनी कूटनीतिक गतिविधियों को तेज कर दिया है। भारत का प्रयास है कि वह सभी पक्षों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखे और क्षेत्र में शांति बहाली के प्रयासों को समर्थन दे। यह संतुलित कूटनीति भारत की विदेश नीति की महत्वपूर्ण विशेषता रही है।

अंततः यह स्पष्ट है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जब युद्धों ने केवल विनाश, आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता को जन्म दिया। मध्य पूर्व में जारी यह संघर्ष भी उसी दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो इसके दुष्परिणाम केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगे। वैश्विक ऊर्जा संकट, आर्थिक अस्थिरता, राजनीतिक ध्रुवीकरण और नई शक्ति प्रतिस्पर्धा जैसे कई मुद्दे सामने आ सकते हैं। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह इस संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के प्रयास करे। क्योंकि जितनी लंबी जंग होगी, उसके दुष्परिणाम भी उतने ही व्यापक और गहरे होंगे — और अंततः इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

अभियान
बलकार सिंह पूनियां

महिला नेतृत्व से सुदृढ़ होता जमीनी लोकतंत्र

भारत का लोकतंत्र केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी वास्तविक शक्ति गांवों और स्थानीय समुदायों में स्थित पंचायती राज संस्थाओं में निहित है। जब स्थानीय स्तर पर शासन व्यवस्था मजबूत होती है, तब लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं और विकास अधिक समावेशी बनता है। इसी दृष्टि से पंचायती राज मंत्रालय ने नई दिल्ली में पंचायतों की चुनी हुई महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के अंतर्गत आयोजित इस सम्मेलन का केंद्रीय संदेश है-"सशक्त महिला, सशक्त पंचायत।" इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं को अधिक समावेशी बनाना तथा ग्रामीण शासन में महिला नेताओं की भूमिका को सामने लाना है। यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वर्ष की उस प्रेरणादायी यात्रा का उत्सव है, जिसकी शुरुआत 4 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के संदर्भ में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ग्राम पंचायतों में, विशेष रूप से महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए क्षमता निर्माण और आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। देश में पंचायती राज संस्थाओं में 14 लाख से अधिक महिला निर्वाचित प्रतिनिधि कार्य कर रही हैं। कई राज्यों ने महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण लागू किया है, जिससे महिला नेतृत्व का विस्तार और अधिक हुआ है। उल्लेखनीय बात यह भी है कि बिहार सहित कई राज्यों में महिलाएं आरक्षित सीटों के अतिरिक्त अनारक्षित सीटों पर भी निर्वाचित होकर सामने आ रही हैं, जो ग्रामीण राजनीति में बढ़ते आत्मविश्वास और सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। पिछले एक वर्ष में 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत वर्ष 2025-26 में कुल 6,81,758 महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त "चैंपियनिंग ऑफ चेंजः स्थानीय शासन में महिला नेत्रियों का सशक्तिकरण" नामक विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से 1,21,512 महिला प्रतिनिधियों और मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य महिला प्रतिनिधियों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं, निर्णय-निर्माण और स्थानीय शासन के व्यावहारिक पक्षों से परिचित कराना था। इसी क्रम में 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल 744 मॉडल महिला-हितैषी ग्राम पंचायतों का चयन किया है। प्रत्येक जिले में एक ग्राम पंचायत को इस रूप में चिन्हित किया गया है ताकि वे महिला-केंद्रित शासन की मिसाल बन सकें। इन मॉडल महिला-हितैषी ग्राम पंचायतों के विकास के लिए 310 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं, जो सरपंचों, पंचायत सचिवों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। हालांकि पंचायतों में महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, फिर भी कुछ चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। कई स्थानों पर महिला प्रतिनिधियों को अपने अधिकारों और दायित्वों के निर्वहन में सामाजिक और संस्थागत बाधाओं का सामना करना पड़ता है। प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की समस्या भी कई राज्यों में देखी जाती है, जहां निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के स्थान पर उनके पति या अन्य पुरुष रिश्तेदार निर्णय लेते हैं।

इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए पंचायती राज मंत्रालय ने "से नो टू प्रोक्सी सरपंच" नामक राष्ट्रव्यापी सोशल मीडिया अभियान शुरू किया है, जो 8 से 18 मार्च 2026 तक चलाया जा रहा है। यह सम्मेलन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहकर्मी-अधिगम और श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही उत्कृष्ट महिला पंचायत नेत्रियों को 'बीकन महिला नेत्री' के रूप में सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनके कार्यों से अन्य प्रतिनिधियों को प्रेरणा मिल सके। अंततः यह कहा जा सकता है कि 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' भारत के जमीनी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं तो शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और समावेशी बनता है। पंचायतों में महिला प्रतिनिधियों को वास्तविक अधिकार और अवसर प्रदान करना केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विकास की अनिवार्य शर्त है। यह राष्ट्रीय सम्मेलन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो महिला नेतृत्व के माध्यम से सशक्त पंचायत और सशक्त ग्रामीण भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

(लेखक सहायक प्रोफेसर इग्नू नई दिल्ली हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सच बोलना सबसे बड़ी तपस्या

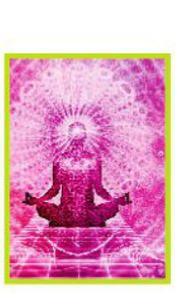

संकलित
दर्शन

सत्य ही सर्वस्व है। सत्य के बिना सदाचार, दान, कीर्ति, धन किसी काम के नहीं। जहां सत्य होगा, वहां ये सभी होंगे। सत्य परमात्मा है। सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है। सत्य के द्वारा मनुष्य ईश्वर के निकट जा सकता है। जंगलों, पहाड़ों और वीराने में एकांतवास करना तपस्या नहीं है। जीवन में सच बोलना और सच की राह पर चलना ही सबसे बड़ी तपस्या है। धर्म के चार पद हैं- सत्य, तप, दया और पवित्रता। इन चार चरणों में सत्य सर्वोपरि है। महाभारत में राजा सत्यदेव की कथा आती है। एक दिन राजा ने स्वप्न देखा कि चंचला लक्ष्मी उनके महल से कुछ समय पश्चात चली जाएगी। एक दिन सुबह जब सत्यदेव उठे, तो उन्होंने एक सुंदर स्त्री को घर से निकलते देखा। राजा ने आश्चर्य से उस स्त्री से पूछा, 'आप कौन हैं?' जवाब मिला, 'मेरा नाम लक्ष्मी है। अब मैं इस घर से जा रही हूं। राजा ने कहा कि आप जा सकती हैं। लक्ष्मीजी चली गईं। उसके पीछे एक सुंदर पुरुष को बाहर जाते देखकर राजा ने पूछा, आप कौन हैं?' उत्तर मिला, 'मेरा नाम दान है। लक्ष्मी के जाने के बाद आप दान नहीं कर सकेंगे, इसलिए मैं आपका घर छोड़ कर जा रहा हूं।' राजा ने कहा कि आप भी जा सकते हैं। इसके बाद तीसरा सदाचार और चौथा यश, पुरुष के रूप में बाहर आए। राजा के पूछने पर लक्ष्मी तथा दान के साथ जाने की कहने पर राजा ने दोनों को जाने दिया। जब पांचवां पुरुष सत्य जाने लगा, तो राजा ने हाथ जोड़ विनयपूर्वक कहा, 'मैंने तो आपका कभी त्याग नहीं किया। आप मुझको किसलिए छोड़ रहे हैं?

समर्पण ही सच्ची भक्ति

संकलित
प्रेरणा

एक बार परमहंसदेव अपने शिष्यों को कुछ उपदेश दे रहे थे। वह शिष्यों को अवसर की महत्ता बता रहे थे । वह बोल रहे थे कि मनुष्य अक्सर अपने जीवन में आये सुअवसरों को ज्ञान और साहस की कमी के कारण खो देता है। अज्ञान के कारण मनुष्य या तो अवसर को समझ ही नहीं पाता और कोई समझ भी जाये तो उसका लाभ उठाने के अनुरूप उसमें साहस नहीं होता। जब उन्होंने देखा कि बात शिष्यों को समझ नहीं आ रही है तो उन्होंने सामने ही बैठे नरेंद्र से कहा– नरेंद्र ! मान ले अगर तू एक मक्खी है और तेरे सामने अमृत का एक कटोरा भरा पड़ा है। अब बता तू उसमें कूद पड़ेगा या किनारे बैठकर उसे छूने की कोशिश करेंगा? नरेंद्र बोला- किनारे बैठकर छूने की कोशिश करूंगा। बीच में कूद पड़ा तो प्राण संकट में आ सकते है । इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि किनारे बैठकर खाने की कोशिश की जाये। पास में बैठे दुसरे शिष्यों ने विवेकानंद के तर्क की खूब सराहना की । किन्तु परमहंसजी हँसे और बोले- मुर्ख! जिस अमृत को पीकर तू अमर होने की कल्पना करता है, उसमें भी डूबने से डरता है। जब अमृत में डूबने का सुअवसर मिल रहा है तो फिर मृत्यु का भय क्यों? तब शिष्यों को बात समझ में आई। चाहे आध्यात्मिक उन्नति हो या भौतिक, जब तक पूर्ण समर्पण नहीं होता, सफलता संदिग्ध है।

अंतर्मन

आज की पाती

प्रकृति स्वरूपा है नारी ब्रह्मांड का आधार है नारी

प्रति वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल की सच्चाईयां बहुत ही खौफनाक हैं। महिलाओं पर जुल्म बढ़ते ही जा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि नारी प्रकृति स्वरूपा है, नारी ब्रह्मांड का आधार है, नारी जगत जननी है, न मजबूर न समझो इसे बेचारी। सजीवन एक खूबसूरत यात्रा है। इसी यात्रा में हम संघर्ष करते हुए सदैव गतिमान रहते हैं।

-विजया राजपूत, भिलाई

ट्रेंड

विनम्र श्रद्धांजलि

स्वधर्म, स्वराज एवं राष्ट्ररक्षा हेतु अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले महान मराठा छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्रधर्म की वेदी पर उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास में वीरता, त्याग एवं स्वाभिमान का स्वर्णिम अध्याय है।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

सिविक सेंस

कुछ लोग जब सदन के अंदर आते है तो सिविक सेंस, कॉन्स्टिट्यूशनल सेंस और कॉमन सेंस बाहर ही छोड़ कर आते हैं। राहुल गांधी को लगता है कि नियम उनके लिए नहीं है, नियम उनसे है।

-अनुराग ठाकुर, सांसद, भाजपा

रसोई गैस संकट

देश में रसोई गैस आपूर्ति पर गहराता संकट बेहद चिंताजनक है। मोदी सरकार इस संभावित राष्ट्रीय संकट को लेकर भी हमेशा की तरह लापरवाह और असंवेदनशील बनी हुई है। समय रहते स्थिति का आकलन ना कर पाना केंद्र सरकार का स्पष्ट 'कलेक्टिव फेलियर' है।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

कच्चे माल की सुरक्षा

भारत को ऐसे युद्ध के प्रतिकूल परिणामों का सामना करते देखना दुखद है, जिससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है, खासकर कच्चे माल की सुरक्षा के संदर्भ में। हमें अपने तेल, तांबे, सोने या किसी अन्य धातु संसाधन का आयात नहीं करना पड़ता।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर बुधवार को उस समय अटकलें तेज हो गईं जब ईरान के राष्ट्रपति के बेटे ने उनके 'घायल होने' संबंधी समाचार सुनने की बात कही। मोजतबा (56) इजराइल और अमेरिका के हमलों में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे हैं। ईरान में मोजतबा लंबे समय से एक रहस्यमय शख्सियत रहे हैं। उनके पिता एवं पत्नी की 28 फरवरी को इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई थी और उसी हमले के बाद युद्ध शुरू हुआ। इसके बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं और सोमवार को सर्वोच्च नेता बनने के बाद से उन्होंने कोई बयान भी नहीं दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के बेटे यूसुफ पेजेश्कियन ने टेलीग्राम ऐप पर रात में एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा , मैंने मोजतबा के घायल होने की खबरें सुनीं। मैंने उनके संपर्क में रहे मित्रों से इसके बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि 'अल्लाह का शुक्र है, वह स्वस्थ हैं और कोई समस्या नहीं है।

ऑफ बीट

'भारत टैक्सी' का जल्द ही सभी बड़े शहरों में विस्तार

सरकार ने बुधवार को कहा कि सहकारी क्षेत्र की परिवहन सेवा 'भारत टैक्सी' का अगले दो से तीन वर्षों में देश के सभी बड़े शहरों और तालुका तक विस्तार किया जाएगा। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सहकारी समितियों द्वारा रोजगार सृजन से जुड़े पूरक सवालों के जवाब में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल ने कहा कि 'भारत टैक्सी' की शुरुआत ड्राइवरों को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा, इसकी बुकिंग मोबाइल ऐप के माध्यम से आसानी से की जा सकती है। इसमें सुरक्षा की पूरी गारंटी और पूर्ण पारदर्शिता है। इसे दिल्ली पुलिस के साथ भी संबद्ध किया गया है। मंत्री ने बताया कि 'भारत टैक्सी' फिलहाल दिल्ली-एनसीआर के अलावा गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सोमनाथ और द्वारका में संचालित हो रही है। उन्होंने कहा, अगले दो या तीन वर्षों में इस सेवा को सभी बड़े शहरों और तालुका तक पहुंचाया जाएगा। अब तक इसके साथ चार लाख ड्राइवर पंजीकृत हो चुके हैं। पिछले महीने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'भारत टैक्सी' सेवा की शुरुआत की थी, जो सहकारी आधार पर संचालित देश का पहला 'राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म' है।

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा राजस्थान - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने निवेशपरक वातावरण, नवाचारों को प्रोत्साहन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा सिंगल विंडो क्लीयरेंस सहित विभिन्न ऐसे निर्णय किए हैं, जिससे प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार हुआ है। हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्थान में निवेश करने वाली उद्यमियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी तथा उनकी सभी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) राजस्थान के वार्षिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रदेश में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को आधार मानकर ग्राम पंचायतों से लेकर नगर निकायों तक के समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व कार्य-

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत 2047 की परिकल्पना दी है। जिसे साकार करने में राजस्थान भी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद गरीब कल्याण, देश में आतंकवाद का खात्मा, आर्थिक विकास तथा भारत का दुनिया में गौरव बढ़ा है। देश में हर क्षेत्र में विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए हैं।

34 नई नीतियां से विकास को मिली रफ्तार-

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं, नवाचारों एवं कार्यक्रमों द्वारा प्रदेश में विकास को गति दी है। प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ ही सड़क नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रचुर मात्रा में खनिज उपलब्ध है। राज्य सरकार इनकी प्रोसेसिंग पर विशेष ध्यान दे रही है। साथ ही, एक जिला-एक उत्पाद योजना के माध्यम से जिले की स्थानीय विशिष्टताओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारी सरकार 34 नई नीतियां लाई है, जिससे उद्योगों को अनुकूल वातावरण मिले। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश के ऐतिहासिक मंदिर तथा सांस्कृतिक विरासत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती है। साथ ही, हमारी सरकार शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति भी मजबूत हुई है, महिला अत्याचारों के मामलों में 10 प्रतिशत की कमी भी आई है तथा पुलिस को पर्याप्त संसाधन भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

युवा नीति से उद्यमिता को मिल रहा बढ़ावा-

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए हमारी सरकार युवा नीति लाई है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत युवाओं को ब्याजमुक्त ऋण दिया जा रहा है। हमारी मंशा है कि युवा रोजगार प्राप्त करने के साथ रोजगार प्रदाता बनें। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय पेपरलीक जैसे प्रकरणों से युवाओं के सपने चूर-चूर हो गए थे, लेकिन हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। हमारी सरकार युवाओं को 4 लाख सरकारी क्षेत्र में एवं 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी है। 1 लाख 33 हजार भर्ती प्रक्रियाधीन हैं तथा 1 लाख से ज्यादा पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया जा चुका है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में समावेशी विकास एवं बेहतर सुशासन को प्राथमिकता दी गई है, जिससे अन्नदाता, महिला, गरीब और युवाओं का सशक्तीकरण हो सके। उन्होंने कहा कि फ्यूचर रैडी राजस्थान के लक्ष्य के साथ नगरीय विकास, बुनियादी ढांचे का विस्तार, सतत् विकास जैसे क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने उद्यमियों से महिला सशक्तीकरण, आईटीआई और कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेष सहयोग की अपील की। इस दौरान शर्मा ने युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के नियुक्ति पत्र तथा महिलाओं को उद्यमिता के लिए वाउचर पत्र भी सौंपे। इस अवसर पर सीआईआई (उत्तर क्षेत्र) की अध्यक्ष श्रीमती अंजली सिंह और सीआईआई राजस्थान के अध्यक्ष संजय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं उद्यमी मौजूद रहे।

साईबर क्राइम पर अंकुश लगाने, संचार तंत्र को और अधिक करें सुदृढ़ - पुलिस महानिदेशक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस मुख्यालय में गुरुवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में साइबर क्राइम शाखा की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और त्वरित कार्यवाही की दृष्टि से साईबर क्राइम हेल्पलाइन सहित उपलब्ध संचार तंत्र को और अधिक सुदृढ़ कर पीड़ितों को त्वरित राहत देने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान डीजीपी शर्मा ने कहा कि साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए उपलब्ध तंत्र को आई4सी (Indian Cyber Crime Coordination Centre) की तर्ज पर और अधिक सक्रिय व प्रभावी तरीके से काम करना शुरू करना चाहिए। उन्होंने आर4सी की एसओपी और मासिक समीक्षा के लिए बिंदु तय करने के साथ—साथ आवश्यकताओं यथा उपकरण व मानव संसाधन के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा।

जागरूकता कार्यक्रम चलावें-

गत वर्ष चलाएं गए जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए डीजीपी शर्मा ने कहा कि तकनीकी संसाधनों का बेहतर उपयोग कर साइबर अपराधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति जन—जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक दूसरे माह अलग—अलग प्रकार के अभियान संचालित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यालय में अब 17 लाइनों से सुनी जाएगी पीड़ितों की समस्या -

डीजीपी ने साइबर अपराध पीड़ितों को तुरंत राहत पहुंचाने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस मुख्यालय में संचालित हेल्पलाइन नंबर 1930 की लाइनों की संख्या तत्काल प्रभाव से 11 से बढ़ाकर 17 करने के आदेश दिए, साथ ही जरूरत के अनुसार इसकी संख्या और बढ़ाने का सुझाव भी दिया, ताकि पीड़ितों को समय पर सहायता मिल सके। बैठक में डीजी संजय अग्रवाल, एडीजी वी.के.सिंह, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप व विकास शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी साइबर अपराधों की रोकथाम और अनुसंधान प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

इस दौरान डीआईजी शांतनु सिंह ने साइबर क्राइम यूनिट के अंतर्गत संचालित विभिन्न शाखाओं, उनकी कार्यप्रणाली और अब तक की उपलब्धियों पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

जयपुर में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति के साथ नहीं होगा कोई समझौता

-गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी एवं अवैध रीफिलिंग के खिलाफ और तेज होगी कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि जिले में उपभोक्ताओं को घरेलू एलपीजी गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जयपुर जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा हेतु एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने स्पष्ट किया कि जयपुर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूर्ववत निर्बाध रूप से जारी रहेगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की चिकित्सीय एवं शैक्षणिक संस्थानों में निर्बाध उपलब्धता बनी रहे, जिससे आवश्यक सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। जिला कलक्टर ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाहों के आधार पर घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने विपणन कंपनियों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे अपने उपभोक्ताओं तक प्रमाणित सूचना एवं जागरूकता संदेश प्रसारित करें, ताकि आमजन तक सही जानकारी पहुंचे और अनावश्यक भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। गैस सिलेंडर

उपभोक्ताओ की सुविधाओं एवं सहायता के दृष्टिगत खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग स्तर पर हेल्पलाइन नंबर 1445 एवं पुलिस आयुक्तालय जयपुर के स्तर से हेल्पलाइन नंबर 112 जारी किए गए हैं। बैठक में जिला कलक्टर ने रसद विभाग के अधिकारियों को घरेलू गैस सिलेंडरों के वाणिज्यिक उपयोग, अवैध रीफिलिंग गतिविधियों तथा कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी रखते हुए प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि जयपुर शहर में पहले से ही जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रीफिलिंग, अवैध उपयोग तथा भंडारण पर रोक लगाने के लिए "ऑपरेशन प्रवर्तन – सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर" अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के तहत प्रशासन द्वारा नियमित निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।

समाज सेवा की मिसाल:

दिगराज सिंह शाहपुरा ने उठाई जरूरतमंद परिवार की जिम्मेदारी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शाहपुरा के मनोहरपुर क्षेत्र में रहने वाली असहाय विधवा महिला और उसके दो बच्चों की संपूर्ण जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया है। आस पास के क्षेत्र में रहने वाले आमजन ने दिगराज सिंह शाहपुरा को बताया कि इस परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है और जीवनयापन के लिए उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति को देखते हुए कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़कर इस परिवार के लिए राशन और अनाज की नियमित व्यवस्था करने का निर्णय लिया है, ताकि परिवार को भोजन जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की विधवा महिला के दोनों बच्चों की शिक्षा-दीक्षा का पूरा खर्च वे स्वयं वहन करेंगे, और यह जिम्मेदारी तब तक निभाएंगे जब तक दोनों

बच्चे कक्षा 12वीं तक अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर लेते। यदि समाज के लोग इसी प्रकार सहयोग और संवेदनशीलता के साथ आगे आएं तो कोई भी गरीब या असहाय परिवार शिक्षा और जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित नहीं रहेगा। यह पहल समाज में मानवता, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का एक सकारात्मक संदेश देने वाली है, जिसकी स्थानीय नागरिकों द्वारा सराहना की जा रही है। जो समाज में मानवता, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का एक सकारात्मक संदेश देती है। दिगराज सिंह शाहपुरा की इस पहल से न केवल उस परिवार को मदद मिलेगी, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाएगा। उनकी इस सेवा भावना को देखकर और भी लोग प्रेरित होंगे और समाज सेवा में आगे आएंगे।

आमीन अली रंगरेज बने कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश संयुक्त सचिव

मोहम्मद यासीन

जयपुर/पाली (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी द्वारा संगठन का विस्तार करते हुए कांग्रेस के युवा नेता एवं पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज को कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का प्रदेश संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी की लहर है। आमीन अली रंगरेज लंबे समय से कांग्रेस

संगठन में सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते रहे हैं। नवनियुक्त प्रदेश संयुक्त सचिव आमीन अली रंगरेज ने प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार एवं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। साथ ही कांग्रेस की विचारधारा और जनहित की नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी लगन से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

नदीम खान पठान को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी दी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के निर्देशानुसार अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जनाब एम ड़ी चोपदार ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी में आँधी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नदीम खान पठान को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी दी है। पठान ने कहा कि हम जिम्मेदारी को पूर्ण तरीके से निर्वहन करेंगे और कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। पठान ने राहुल गांधी, अशोक गहलोत, इमरान प्रतापगढ़ी, एम ड़ी चोपदार आदि का आभार व्यक्त किया हैं। उल्लेखनीय हैं कि नदीम खान पठान, राहुल गांधी, अशोक

गहलोत, इमरान प्रतापगढ़ी व एम ड़ी चोपदार के सच्चे सिपाही हैं। पठान काँग्रेस की रीति व नीति को बताकर लोगो को काँग्रेस में जोड़ने का कार्य करते आरहे हैं। पठान के नेतृत्व में संगठन की हर बूँद मज़बूत होगी, हर कार्यकर्ता को सम्मान मिलेगा और कांग्रेस की जड़ें और गहरी होंगी। लोगो का कहना हैं कि संघर्ष, समर्पण और संगठन यही कांग्रेस की पहचान है पठान के नेतृत्व में कांग्रेस नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगी। पठान को प्रदेश सचिव बनने की खबर जैसे ही आँधी कस्बे आई लोग पठान के घर पर एकत्रित होकर पठान को गोद मे उठा लिए और ख़ुशी से नाचने लगे इसके बाद में पठान को सांफ़ा बंधवाकर मालाएं पहनाई गई व मिठाइयां खिलाई गई। ये पठान का प्यार ही था जो सभी लोग घर पर जाकर मुबारकबाद दे रहे हैं।

राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 कंट्रोल रूम का एसीएस ने किया निरीक्षण

-परिवादियों से सीधे संवाद कर दिए निस्तारण के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) कुलदीप रांका ने गुरुवार को सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की नियमित और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि परिवादियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके। बैठक के दौरान रांका ने संपर्क पोर्टल पर दर्ज उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग की नई योजनाओं को संपर्क पोर्टल के सब्जेक्ट में शामिल किया जाए तथा पुराने एवं अनुपयोगी सब्जेक्ट को समीक्षा कर हटाया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि राजस्थान संपर्क पोर्टल पर 12 मार्च 2025 से 11 मार्च 2026 तक उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग से जुड़े कुल 10,341 प्रकरण दर्ज हुए। इनमें से 9,317 प्रकरणों (90.10 प्रतिशत) का निस्तारण किया जा चुका है। इन मामलों के निस्तारण का औसत समय 27 दिन रहा, जबकि लगभग 64 प्रतिशत परिवादियों ने समाधान पर संतुष्टि व्यक्त की। सचिवालय स्थित लाइब्रेरी बिल्डिंग में स्थापित संपर्क हेल्पलाइन 181 के कंट्रोल

रूम निरीक्षण के दौरान एसीएस रांका ने स्वयं परिवादियों की समस्याएं सुनी। उन्होंने विभाग से संबंधित शिकायतों पर परिवादियों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। कई मामलों में उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश भी दिए। करौली जिले के रामचन्द्र मीणा ने मूल अंकतालिकाएं प्राप्त नहीं होने की शिकायत की इस पर एसीएस ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत निर्देश देकर समस्या का समाधान करवाया। जोधपुर जिले के नरेश कुमार ने शिकायत की कि उन्हें कॉलेज परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इस पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश देकर समस्या का समाधान कराया गया। अलवर जिले की निवासी निशा बाई वर्मा ने कॉलेज में जमा टोकन राशि वापस नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई, जिस पर संबंधित अधिकारी को समाधान के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त बारां जिले के धारा सिंह, जोधपुर के हर्ष गोयल, धनराज और तिलोक चंद सहित अन्य परिवादियों से भी संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं और मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए गए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से सभी विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों में राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन पर स्वयं उपस्थित होकर परिवादियों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। 181 हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी समस्या दर्ज कराकर उसका शीघ्र समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर लोक शिकायत निवारण विभाग के संयुक्त सचिव हर्ष सावन सुखा, आरआईएसएल के समूह महाप्रबंधक जी.के. शर्मा, राजस्थान संपर्क पोर्टल के अतिरिक्त निदेशक सुदर्शन सिंह देओरा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विकसित राजस्थान रन 2026 की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

-अधिकाधिक जनभागीदारी से कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गत वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राजस्थान दिवस मनाने की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में इस वर्ष भी राज्य सरकार द्वारा 19 मार्च को राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 14 मार्च से 19 मार्च तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसी श्रृंखला में 15 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय 'विकसित राजस्थान रन 2026' का आयोजन किया जाएगा, जिसका फ्लैग ऑफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के समस्त जिलों में भी विकसित राजस्थान रन का आयोजन किया जाएगा। विकसित राजस्थान रन के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर गुरुवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के. पवन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों

को सौंपे गए दायित्वों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि विकसित राजस्थान रन में आमजन, युवाओं तथा छात्र-छात्राओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे यह आयोजन जनसहभागिता के साथ एक बड़े जन उत्सव के रूप में आयोजित हो सके। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि यह रन अमर जवान ज्योति (जनपथ) के सामने से प्रारम्भ होकर सवाई मानसिंह स्टेडियम का पूर्ण चक्कर लगाते हुए टोंक रोड से रामबाग सर्किल होते हुए डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्किल से पुनः अमर जवान ज्योति तक आयोजित की जाएगी। इसमें लगभग 50 हजार युवाओं के भाग लेने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं के युवा जैसे एन.एस.एस, एन.सी.सी, भारत स्काउट व गाइड, हिन्दस्तान स्काउट एवं गाइड तथा एन.वाई.के.एस. के सदस्य, साथ ही सरकारी व गैर-सरकारी संगठनों के युवा एवं खिलाड़ी शामिल होंगे। बैठक में स्कूल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, पर्यटन, एन.सी.सी, उच्च शिक्षा एवं सम्बंधित विभागों के अधिकारी तथा प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जयपुर में नगर निगम की कार्रवाई, अस्थायी अतिक्रमण हटाए; 27 हजार रुपये वसूले

जयपुर । नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 27 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला और 3 केन्टर सामान जब्त किया। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर और पूर्व में मिली शिकायतों के आधार पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में की गई। सतर्कता टीम ने टोंक रोड गोपालपुरा, जगतपुरा फाटक के नीचे, सीबीआई फाटक के पास, झारखंड मोड़ से खातीपुरा तिराहा तक कई स्थानों पर अस्थायी अतिक्रमण हटवाया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण में इस्तेमाल किया जा रहा सामान जब्त कर नगर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि अतिक्रमण करने वालों को मौके पर समझाइश भी दी गई और भविष्य में दोबारा अवैध अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी दी गई। साथ ही कहा गया कि यदि आगे भी नियमों का उल्लंघन किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ भारी चालान सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

अंता में मतदाताओं की संख्या में 1.33 प्रतिशत बढ़ोतरी

-अंता विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण- 2026 कार्यक्रम के तहत गुरूवार को अंता विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया गया। अंता विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 1.33 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख 12 हजार 334 हो गई है। यहां 12 जनवरी को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 2 लाख 9 हजार 546 थी। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा उप चुनाव के उपरांत 27 नवंबर 2025 को एसआईआर अभियान घोषित किया गया था। जिसके अन्तर्गत 8 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक गणना चरण के उपरान्त 12 जनवरी 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया था, जिसमें विधानसभा क्षेत्र अंता में कुल मतदाताओं की संख्या 209546 थी। पत्रकार

वार्ता के दौरान निर्वाचक पंजीयन अधिकारी हवाई सिंह यादव, चुनाव समन्वयक हीरालाल वर्मा, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

11 फरवरी तक ली गई थी दावे व आपत्तियां

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूचियों के संबंध में 12 जनवरी से 11 फरवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त किए गए। इस अवधि में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंता में कुल 2926 फॉर्म-6ध्6ए, 156 फॉर्म-7 तथा 690 फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दावे एवं आपत्तियों के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों की सूची फॉर्म 9, 10, 11, 11ए और 11बी में तैयार की गई और ऐसी सूचियों की एक प्रति उनके कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रत्येक कार्य दिवस को प्रदर्शित की गई। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा प्रति सप्ताह प्राप्त होने वाले दावे एवं आपत्तियों की सूचियां मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से साझा की गईं। यह सूचियां जिला निर्वाचन अधिकारी व मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी ऑनलाइन उपलब्ध होने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

मतदाताओं की संख्या में 1.33 प्रतिशत वृद्धि

गुरुवार को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के अनुसार अंता में प्रारूप मतदाता सूची में कुल 209546 मतदाताओं में 1.33 प्रतिशत वृद्धि के उपरान्त कुल मतदाताओं की संख्या 212334 हो गई है, जिनमें 110260 पुरूष, 102071 महिला तथा 3 ट्रांसजेण्डर हैं।

1 अप्रैल से लागू होगा नया आयकर अधिनियम, करदाताओं को दी विस्तृत जानकारी

बारां (रॉयल पत्रिका)। आयकर विभाग, बारां द्वारा न्यू इनकम टैक्स एक्ट 2025 विषय पर एक मेगा आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग जगत, व्यापारियों और करदाताओं को 01 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए आयकर अधिनियम के प्रावधानों और प्रक्रियाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम में बारां जिले के 70 से अधिक करदाताओं, टैक्स बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों तथा पत्रकारों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि संयुक्त आयकर आयुक्त, रेंज-2, कोटा के.सी. मीना ने कहा कि नया आयकर अधिनियम कर प्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आम

करदाता भी कानून को आसानी से समझ सकेगा। इस अवसर पर उपायुक्त आयकर, कोटा रणजीत सिंह ने आयकर अधिनियम में किए गए प्रमुख बदलावों की जानकारी दी। वहीं सीए अंकुर नागर और सीए अभिनव जैन ने नए आयकर अधिनियम के प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्वागत भाषण एवं धन्यवाद प्रस्ताव आयकर अधिकारी जय कुमार बंसल ने दिया। कार्यक्रम में आयकर अधिकारी कोटा प्रवीण गुप्ता, आयकर निरीक्षक निप्पु कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आतंक और नफरत के दौर में शांति और अहिंसा की मशाल है तो वो है गाँधी दर्शन - विनोद जैन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति सवाईमाधोपुर द्वारा दाँडी यात्रा की वर्ष गांठ के उपलक्ष में समिति कार्यालय पर "वर्तमान हालात और गाँधी दर्शन" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया किया गया, संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जिला संयोजक विनोद जैन ने अपने उदबोधन में बताया की, वर्तमान समय में विश्व के हालात चिंता जनक है, और भारत देश में अराजकता का माहौल है ऐसे समय में पुरे विश्व व भारत के प्रबुद्ध जन गाँधी जी के शांति और अहिंसा के सिद्धांतो की ओर देख रहे है आज सब के दिल में एक ही बात है की भारत ही नही अपितु पुरे विश्व में अगर आतंक और नफ़रत के इस दौर में शांति और अहिंसा की मशाल है तो वो है गाँधी दर्शन, आज हम दांडी यात्रा की वर्ष गांठ मना रहे है मगर दांडी यात्रा अपने आप में अन्याय व अराजकता के विरुद्ध खड़े होने की गाथा है । आज आरएसएस के लोग गाँधी जी के

विचारों को खत्म करने में लगे है परन्तु गाँधी दर्शन वो अमर ज्योती है तो हर भारतीय के दिल में जल रही है इसी प्रकार संगोष्ठी में ऋषिकेश मीणा व शिव प्रकाश काँवरिया रजत जैन, देविशंकर बैरवा ने भी अपने विचार रखे, महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति सवाईमाधोपुर के जिला युवा सह संयोजक गुरुवचन वाल्मिकी के महात्मा गाँधी विचार मंच की प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती खुशबु शर्मा के हवाले से बताया की सवाईमाधोपुर जिले की सभी ग्राम पंचायत व नगर निकायों में गाँधी पाठशालाओं का संचालन किया जाना है जिसके लिए गाँधी मित्रो के आवेदन मांगे गए है सभी साथी दिनांक 15/03/2026 तक अधिक से अधिक संख्या में आवेदन पत्र भर कर ब्लॉक प्रभारियों को जमा करावे अप्रेल माह तक सभी गाँधी मित्रो का चयन कर लिया जावेगा, संगोष्ठी में कुद्स खान, बनवारी लाल बैरवा,रामसिंह बैरवा, सुनील बैरवा, लक्ष्मीकांत मीणा, मुकेश गुर्जर,सत्यनारायण सैन राकेश जैन, आदि ने भाग लिया, संगोष्ठी का संचालन जिला सह संयोजक संतोष स्वामी ने किया।

जफर हुसैन टॉक को प्रदेश संगठन में बड़ी जिम्मेदारी, समर्थकों में खुशी की लहर

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी की अनुशंसा पर राजस्थान प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस में नई नियुक्तियाँ की गई हैं। इसी क्रम में प्रदेशाध्यक्ष एम. डी. चोपदार ने मांडलगढ़ के पूर्व चेयरमैन जफर हुसैन टॉक को प्रदेश उपाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। जफर हुसैन टॉक की नियुक्ति पर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने खुशी का इजहार किया। समर्थकों का कहना है कि उनकी नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी और अल्पसंख्यक समाज से जुड़ी समस्याओं को प्रदेश स्तर पर प्रभावी तरीके से उठाया जा सकेगा। अपनी नियुक्ति पर जफर हुसैन टॉक ने राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त

करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत बनाने और अल्पसंख्यक समाज के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने जफर हुसैन टॉक को प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

केंद्रीय विद्यालय चुरु के छात्रों को वर्ल्ड ताइक्वांडो दक्षिण कोरिया से अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट की डिग्री मिली

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर केंद्रीय विद्यालय में वर्ल्ड ताइक्वांडो दक्षिण कोरिया से चूरू के 6 खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट की डिग्री हासिल की है। केंद्रीय विद्यालय चूरू के छात्र वरुण जाखटिया एवं गजेंद्र जाखटिया कक्षा-7 सहीत सभी खिलाड़ियों को जिला कलेक्टर कार्यालय चुरु में माननीय जिला कलेक्टर अभिषेक सुराना जी द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कोच कविंद्र राठौर ने बताया कि सभी खिलाड़ी पिछले तीन साल से ताइक्वांडो में मन लगाकर मेहनत

कर रहे हैं अब यह राज्य व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति के जिलाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक पूर्व मनोनीत पार्षद चुरु एवं कोंच कविंद्र राठौर द्वारा इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दि।

नासिर मिर्जा अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश कोऑर्डिनेटर नियुक्त

बारां.(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग में नासिर मिर्जा को प्रदेश कोऑर्डिनेटर के पद पर नियुक्त किया गया है। इस जिम्मेदारी के लिए नासिर मिर्जा ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने इस नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश अध्यक्ष एमडी चौबदार, पूर्व मंत्री एवं अंता विधायक प्रमोद जैन 'भाया', पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल तथा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हंसराज मीणा का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। नासिर मिर्जा की नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक विभाग संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में नई गति मिलेगी।

क्षेत्र में आवारा पशुओं के आतंक से परेशान लोगों को प्रशासन कि तरफ से कोई राहत नहीं

-जनहित में किया जाए इस समस्या का समाधान प्रशासन ले संज्ञान

मोहम्मद अली पठान

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मुख्य रास्तों व आम गलियों में भी पशुओं का रहता है खतरा सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने जनहित में क्षेत्र की जनता की जिंदगी से जुड़े हुए इस महत्वपूर्ण मामले को उठाते हुए बताया कि लगभग समूचे शहरी क्षेत्र में बेसहारा आवारा गोवंश के अनियंत्रित विचरण के चलते नागरिकों की समस्याएं लगातार बढ़ती ही जा रही है। इस समस्या से लोगों को राहत दिलाने के लिए स्थानीय नगर पालिका और उपखंड प्रशासन कोई भी बातों और वायदों से ऊपर नहीं निकल पा रहे हैं। राज्य सरकार ने विभिन्न नगर पालिका क्षेत्रों में नंदी शालाओं का निर्माण करवाया है, लेकिन लाडनूं में अभी तक ऐसा कोई प्रयास सामने फलीभूत नहीं हुआ है। खिंदास की नंदीशाला का भी नहीं हो रहा उपयोग स्थानीय रामानंद गौशाला में दानदाताओं और भामाशाहों की ओर से खिंदास स्थित रामानंद गौशाला की ब्रांच में एक विशाल नंदी शाला का निर्माण करवाया गया था, परन्तु उसमें आवारा गोवंश की भर्ती के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति ही हुई है, धरातल पर नागरिकों के लिए समस्या पूर्ववत ही बनी हुई है,

उसमें एक प्रतिशत का भी फर्क नजर नहीं आया है। बताया जा रहा है कि प्रशासनिक स्तर पर इसकी उपेक्षा किए जाने से समाधान अब तक ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। गौरतलब है कि इस नंदी शाला में करीब 400 नंदियों के रहने की व्यवस्था की गई है। पीछले दिनों में तीन दर्जन लोग हुए आवारा सांडों से चोटिल कायमखानी ने बताया की शहर के पहली पट्टी दड़ा से लेकर जैन विश्व भारती तक और अन्य पट्टियों और जैन विश्व भारती के ईर्द-गिर्द के क्षेत्र, शहरीया बास चौक, काली जी का चौक, कुम्हारों का बास, कमल चौक, मालियों का बास, सब्जी मंडी, बस स्टैंड, न्याय के मंदिर न्यायालय परिसर आदि शहर के सभी प्रमुख क्षेत्रों में आवारा गोवंश घूमते हुए और आपस में लड़ते हुए देखा जा सकता है इसके अलावा आवारा सांड दिन-रात खुलेआम क्षेत्र की गलियों और आम रास्तों में घूमते हुए नजर आते रहते हैं और लोगों को चोटिल तक करते रहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 7 दिनों में कम से कम 20 लोग इन आवारा पशुओं के आतंक की वजह से चोटिल हो गए। रात्रि के समय यही सांड सड़कों पर आकर आपस में लड़ते हैं और वाहनों को नुकसान पहुंचाते हैं। तब नजारा और भी चिंताजनक हो जाता है, जब ये आवारा पशु अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों सहित भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बेखौफ होकर अपनी जोर-आजमाइश करते हैं और भिड़ते हुए राहगीरों, वाहनों आदि पर टकराते हैं। इससे अनेक बड़े बुजुर्ग, महिलाओं-बच्चे, बीमार आदि चोटिल हो जाते हैं। लिखित सूचनाओं का भी प्रशासन पर कोई असर नहीं।

झारिया वाला मोहल्ला युवा टीम द्वारा रोज़ा इफ्तार की दावत दी गई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय नई सड़क मोहल्ला झारीयां वाला में वार्ड नम्बर 26 युवा टीम निवासियों ने रमज़ान मुबारक के 22 वा रोज़ा इफ़्तार का आयोजन किया गया इस असवर पर कोम काज़ियांन पूर्व सदर ज़ाकिर झारियावाला ने दुवा करवाकर रोज़ा खुलवाया और कहा रोजे रखने और माहे रमज़ान की अहमियत के बारे में बताते हुए कहा दिन भर भूखे प्यासे रहने का मतलब रोजा रखना नहीं है, रोजेदार को हर बात का एहतराम करना होगा, आंखों से बुरा मत देखो, कानो से ऐसी कोई बात मत सुनो और जुबा से ऐसे कोई अल्फ़ाज़ मत बोलो जो किसी को दिक्कत हो। मौलाना ने कहा इस महीने में तीन असरा होते है पहले असरा 1 तारीख से 10 तक यह रहमत वाला है, 11से 20 तक मगफिरत वाला

याने गुनाओ से तौबा करने वाला ओर 21से आखिर चांद रात तक वाला जहन्नुम की आग से निजात दिलाने वाला है। इस माह में अल्लाह की इबादत और पैगम्बर-ए-रसूल्लाह को याद करो अल्लाह की इबादत करो। रोज़ा इफ़्तार में कोम काज़ियांन सदर संजय भाटी, कांग्रेस नेता जमील चौहान, पार्षद शाहरूख खान, तौफीक खान, शाहिद खान चौहान, तारीख़ नागौरी, इस्माइल भाटी, पार्षद नोमान सैय्यद, आरिफ़ रिसालदार, मुबारक अली भाटी, समीर खान (आमु), सोयल, आदिल भाटी। आयोजन नौजवान कमेटी वार्ड नम्बर 26 के युवा नेता इरफ़ान भाटी, खालिद अगवान, अमीर काज़ी, रिजवान, बिलाल, अहमद, साहिल, नयूम खोखर, मुर्तजा, सनी आसिफ भाटी आदि ने रोजेदारों का इस्तकबाल किया।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गैस सिलेंडर दामों में वर्दी, आपूर्ति बाधित-सप्लाई और कालाबाजारी, महंगाई को लेकर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर पुतला दहन किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चूरू जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल के नेतृत्व में गैस सिलेंडर के दामो में वृद्वि, आपूर्ति में बाधित सप्लाई और कालाबाजारी पर केन्द्र सरकार के खिलाफ जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय आपणी योजना भालेरी रोड चूरू के आगे शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन और पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। ईंधन की उपलब्धता को लेकर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के दूसरे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात में व्यवधान के बीच सरकार ईंधन की उपलब्धता को लेकर जनता को गुमराह कर रही है। मेघवाल ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ रही है, घरेलू गैस सिलेंडर पर 60 रूपये और व्यावसायिक सिलेंडर पर 110 रूपये की बढोतरी ने आम जनता और छोटे व्यापारियों की परेशानी बढा दी है। उन्होने कहा कि गैस सिलेंडर के दामो में वृद्वि, आपूर्ति में बाधित सप्लाई और कालाबाजारी से आम लोग परेशान है और कांग्रेस लगातार इस मुद्दे को उठा रही है, उन्होने चेतावनी

दी कि यदि सरकार ने महंगाई पर जल्द लगाम नही लगाया तो कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी। हाल ही में मोदी ने ट्रंप और अमेरिका के दबाब में जिस प्रकार के समझोते किये है उनके दुष परिणाम अब देश के सामने आ रहे है। केन्द्र सरकार विदेश नीति में पूर्णतः फैल हो चुकी है। इस अवसर पर रतनगढ विधायक पुसाराम गोदारा ने मिडिया को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ ही दिनों में अगर सरकार बढी हुई किमते वापस नही लेगी व आमजन को राहत प्रदान नही करेगी तो प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में सडक से लेकर सदन तक आमजन की लडाई लडेगे। इस अवसर पर सादुलपुर पूर्व विधायक कृष्णा पुनियां ने कहा कि आमजन के गैस सिलेंडर के ऑनलाईन बुकिंग में भारी समस्या चल रही है, आमजन में त्राहि त्राहि मची हुई है, सरकार को समय रहते चेतना चाहिए चुंकि वर्तमान समय में शादी विवाह का समय चल रहा है और आमजन इससे सिधा प्रभावित हो रहा है इसलिए बुकिंग को शुलभ किया जाये एंव आमजन को तुरन्त रियायती दर पर गैस सिलेडरों की उपलब्धता हो। इस अवसर पर धर्मेन्द्र बुडानिया, गोविन्द महनसरिया, असलम खोखर, किशोर धान्धू, आदूराम न्यौल, मोहम्मद हुसैन निर्बाण, आशाराम सैनी, आरिफ रिसालदार, जमील चौहान, डॉ. योगीता शक्सेना, सुनिता रावतानी, प्रदीप तोदी, बजरंग लाल सैन, संजय दिक्षित, सोहनलाल मेघवाल, मुस्ताक खान, शिवकुमार शर्मा, सुनिता कपुरिया, अंजनी शर्मा, विनोद खटीक, योगेश ढाका, बाबू मंत्री, अशोक पंवार, रामचन्द्र सुण्डा, प्रित चावरिया, अनील तंवर, अनील तंवर, बजरंग बजाड, विक्रम भाट, सुरेश कल्ला, प्रमेन्द्र सिहाग, चन्द्रभान, अली हसन, चन्दनमल मेघवाल, रामचन्द्र गोदारा, गुलाम नब्बी, रेखाराम महडा, नरपत गोदारा, गणेश ढाका, हितेश जाखड, विजय बटेसर, अमित मारोठिया, मनफुल गोदारा, इस्माईल खां, लियाकत पार्षद, सुशील स्वामी, श्रवण बसेर, अरवीन्द बाघ, सद्दाम हुसैन, युनुस खान, अलताफ हुसैन, राजेश फौजी, सिकन्दर शोभासर, बाबुलाल, राजकुमार शर्मा, विजय कुमार, विकास मील, महावीर, शर्मिला भाकर, नवाब खां, मनसुखराम सरपंच, पवन भोजक, प्रिया प्रजापत, किरण फलवाडिया, तान्या पडीहार, रामेश्वर प्रसाद, रूपाराम कस्वां, पालाराम शर्मा सहित सैकडो कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजुद रहें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्यारेलाल दानोदिया ने किया।

दौलत खानी परिवार द्वारा रोजा इफ्तार की दावत में देश-विदेश के लिए अमन-चैन की दुआएं की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वार्ड संख्या 36 गोयल अस्पताल के पास मे दौलतखानी परिवार नौजवान ने रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोजेदार शामिल हुए और मगरिब की अजान के साथ अपना रोजा खोला। कारी करामत अली उर्दू अदीब ने रोजा इफ्तार की दुआ की । इस्लामी इतिहास में रमजान का दिन विशेष महत्व रखता है। हिजरी के दूसरे वर्ष इसी दिन पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के समय बद्र का युद्ध हुआ था। इसे इस्लाम के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जाता है, जिस कारण इस दिन का धार्मिक महत्व खास है। इसी परंपरा के तहत रमजान के 21वें रोजे के अवसर पर यह इफ्तार पार्टी आयोजित की गई। शाम को मगरिब की अजान के साथ रोजा इफ्तार किया गया। इसके बाद मगरिब की नमाज अदा कर देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी गई। चूरू के लोग हमेंशा

से आपसी भाईचारा सद्भाभाना से एक दूसरे त्यौहार मनाते है। यह चूरू की गंगा जमुना तहजीब है हमारा भारत मुल्क दुनोया में सबसे अच्छा देश है। जहाँ लोग जंग कर रहे है। वहीं हमारा देश विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना रहा है!!मगरिफ़ की नवाज़ कारी करामात खान ने अदा करवाई। इस अवसर पर सी आई मुकुट बिहारी मीणा, शिवम हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. महेश शर्मा, मेगाराम जी गोदारा, भाजपा महामंत्री भास्कर शर्मा, कांग्रेस प्रदेश महासचिव मुस्ताक खान, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अख्तर खान, भाजपा नेता सुरेंद्र बावलिया, पार्षद राजकुमार शर्मा, हाजी शरीफ सोलंकी, हाकम अली खान, यूनुस खान, सज्जन टॉक, असगर अली जोईया, नौशाद खिलजी, मोहम्मद हुसैन, भंवरु खान रिटायर डी ईओ, अब्बास खान, रमजान खान, इरशाद भाटी, डॉ. अख्तर खान आदि मौजूद रहे। दौलत खानी परिवार की तरफ से रोजेदारों का स्वागत नासिर खान अकरम खान ने किया। कार्यक्रम के अन्त में कारी करामत खान ने मुल्क में अमन चैन शांति और भाईचारे के दिए दुआए की।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

महवा में यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस सख्त, बस-जीप चालकों व ठेला संचालकों को दिए निर्देश

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा कस्बे में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने और सड़क पर अतिक्रमण रोकने के उद्देश्य से गुरुवार को पुलिस द्वारा बैठक आयोजित कर वाहन चालकों और ठेला संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सागर राणा के निर्देशन में तथा राहुल प्रकाश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। वृत्ताधिकारी मनोहर लाल मीणा के सुपरविजन और थानाधिकारी राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में प्राइवेट बस-जीप चालक, परिचालक व वाहन स्वामियों की बैठक ली गई। बैठक में वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, बस-जीप को

निर्धारित स्थान पर ही खड़ा करने तथा सड़क पर अव्यवस्था नहीं फैलाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आमजन की सुविधा के लिए यातायात व्यवस्था सुचारु रखना सभी की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही कस्बे की मुख्य बाजार सड़कों पर सब्जी, फल, चाट और आइसक्रीम के ठेले लगाने वाले विक्रेताओं को भी चेतावनी देते हुए अतिक्रमण नहीं करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यदि सड़क पर अतिक्रमण या यातायात बाधित करने की शिकायत मिली तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने सभी से कानून व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों के साथ सद्व्यवहार करने की अपील भी की।

राजकीय भरतीया जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को सफाई कर्मचारी 69 नदारद मिले

-11 सफाई कर्मचारी उपस्थित मिले सफाई की लचर व्यवस्था देखकर नाराजगी जताई और ठेकेदार को दिये आदेश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार नेदोपहर डीबी अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में केवल 11 सफाईकर्मी मौके पर मौजूद मिले। इस पर प्रिंसिपल ने सफाई ठेकेदार से अन्य कर्मचारियों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रिंसिपल ने नई इमरजेंसी वार्ड, मातृ एवं शिशु इकाई, ट्रॉमा सेंटर और बायो मेडिकल वेस्ट कक्ष का जायजा लिया। नई इमरजेंसी वार्ड के नर्सिंग ड्यूटी रूम में पान मसाले के थूक से रंगी दीवारें देखकर डॉ. पुकार ने इमरजेंसी इंचार्ज को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। मातृ एवं शिशु अस्पताल की सीढ़ियों की दीवारों पर भी ऐसी ही स्थिति पाई गई। इस पर उन्होंने सफाई ठेकेदार को सफाई व्यवस्था में सुधार करने को कहा। डॉ. पुकार ने चेतावनी दी कि सोमवार को अस्पताल का फिर से निरीक्षण किया जाएगा और यदि सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. इकराम हुसैन, डॉ. शकील अहमद और वेदप्रकाश खींची भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान बायो मेडिकल वेस्ट कक्ष के बाहर कचरा बिखरा पड़ा मिला, जिस पर

बेसहारा गोवंश मुंह मार रहे थे। डॉ. पुकार ने संबंधित प्रभारी महिला नर्सिंग ऑफिसर को बुलाकर इसका कारण पूछा। महिला नर्सिंग ऑफिसर ने बताया कि पिछले तीन-चार दिनों से यहां सफाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि बायो मेडिकल वेस्ट कक्ष के पास गाड़ियां बेतरतीब ढंग से खड़ी कर दी जाती हैं, जिससे कचरा उठाने वाला ट्रैक्टर वहां तक नहीं पहुंच पाता। सफाई ठेका होने के बाद भी जमा नहीं करवाये सफाईकर्मियों के दस्तावेज अस्पताल में निरीक्षण के दौरान सामने आया कि अस्पताल का सफाई ठेका हुए काफी दिन हो गये। इसके बाद भी अस्पताल में सफाई ठेकेदार के द्वारा सफाई कर्मचारियों के दस्तावेज अभी तक अस्पताल में जमा नहीं करवाये गये हैं। जो की नियमनुसार गलत हैं।सफाई ठेके में शर्त रखी गयी थी कि सफाई कर्मचारी प्रतिदिन अस्पताल में अपनी बायो मैट्रीक उपस्थिति लगायेंगे। मगर आज तक एक भी सफाई कर्मचारी ने बायो मैट्रीक उपस्थिति नहीं लगायी हैं। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि अस्पताल में सफाई ठेकेदार ने 80 सफाई कर्मचारी लगा रखे हैं। मगर निरीक्षण के दौरान मात्र 11 सफाई कर्मचारी ही मौजूद मिले। अन्य सफाई कर्मचारी कहां ड्यूटी कर रहे थे, यह किसी को नहीं पता।

रोजे का मकसद इंसान के भीतर खुदा का डर संयम और परहेजदारी पैदा करना है- मौलाना याकूब खान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित सर्किट हाउस के पीछे बिलाल मस्ज़िद के इमाम मौलाना याकूब खान बीकानेरी ने माहे रमजान की मुबारक बाद देते हुए कहा की इस्लाम धर्म में रमज़ान के दौरान रोज़े (उपवास) रखने का मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक शुद्धता और आत्म-अनुशासन प्राप्त करना है। कुरान के अनुसार, रोज़ा हर मुसलमान पर फर्ज (अनिवार्य) किया गया था। इसके पीछे के प्रमुख कारण तक़वा (परहेजगारी): रोज़े का सबसे बड़ा मकसद इंसान के भीतर खुदा का डर, संयम और परहेजगारी पैदा करना है, ताकि वह बुरे कामों से बच सके। समानता का अनुभवः भूख और प्यास सहने से अमीरों को गरीबों के दर्द और उनकी मुश्किलों का अहसास होता है। ओर आध्यात्मिक जुड़ावः यह केवल खाने-पीने का त्याग नहीं, बल्कि अल्लाह की इबादत, सब्र (धैर्य) और अपने व्यवहार को पाक रखने का एक माध्यम है। गुनाहों की माफ़ीः मान्यता है कि रमज़ान का महीना गुनाहों को जलाकर खत्म कर देता है और आत्मा को शुद्ध करता है। रमज़ान इस्लामी कैलेंडर का नौवां और सबसे पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि इसी महीने की एक रात, जिसे लैलातुल क़द्र कहते हैं, पैगंबर मुहम्मद पर पवित्र कुरान का पहला अवतरण हुआ था। इस पूरे महीने मुसलमान सूर्योदय (सहरी) से सूर्यास्त (इफ्तार) तक रोज़ा रखते हैं, जिसमें अन्न और जल का त्याग किया जाता है।

यह केवल भूखा रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्म-संयम, अनुशासन और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता सिखाता है का समय है। रमज़ान के दौरान इबादत, तरावीह की नमाज़ और दान-पुण्य (ज़कात) का विशेष महत्व है, ताकि गरीबों और ज़रूरतमंदों की मदद की जा सके। महीने के अंत में चाँद दिखने पर ईद-उल-फितर का त्यौहार बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह सच है कि रोजा (उपवास) केवल उम्मत-ए-मुहम्मदिया (मुसलमानों) पर ही नहीं, बल्कि पिछली तमाम कौमों और नबियों की उम्मतों पर भी फर्ज था। कुरान की सूरह अल-बकरा (आयत 183) में अल्लाह फरमाता है: "ऐ ईमान वालों! तुम पर रोज़े फर्ज किए गए, जैसे तुम से पहले लोगों पर फर्ज किए गए थे, ताकि तुम परहेजगार बन जाओ।" इतिहास और धार्मिक ग्रंथों से पता चलता है कि रोज़ों का तरीका और समय अलग-अलग रहा है:. हजरत आदम (अलै.): रिवायतों के अनुसार, हजरत आदम हर महीने की 13, 14 और 15 तारीख को रोज़ा रखते थे, जिन्हें 'अय्याम-ए-बीज़' कहा जाता है। हजरत मूसा (अलै.): यहूदी धर्म में भी रोज़े का महत्व है। हजरत मूसा ने कोह-ए-तूर पर 40 दिन का रोज़ा रखा था। आज भी यहूदी 'यौम-ए-किप्पुर' के रूप में रोज़ा रखते हैं। हजरत ईसा (अलै.): इंजील के अनुसार, हजरत ईसा (ईसाई धर्म) में 40 दिन और 40 रात इबादत और रोज़ा रखा था।. हजरत दाऊद (अलै.): आप एक दिन रोज़ा रखते और एक दिन छोड़ देते थे। अल्लाह को यह तरीका बहुत पसंद था। पर रोज़े का मकसदः हर दौर में रोज़े का मुख्य उद्देश्य 'तकवा' (परहेजगारी) पैदा करना रहा है। यह इंसान को अपनी नफ्स (इच्छाओं) पर काबू पाना सिखाता है और अल्लाह की इबादत के लिए रूह को पाक करता है। हालांकि पिछली उम्मतों के रोज़ों की संख्या और नियम आज के इस्लाम से थोड़े अलग थे, लेकिन इबादत की यह रूह हमेशा से चली आ रही है।

राजकीय महाविद्यालय बारां में रोजगारोन्मुखी कोर्स का होगा संचालन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 2024-25 की अनुपालना में राजकीय महाविद्यालय बारां में राजस्थान फिनिशिंग स्कूल प्रोग्राम के तहत गेस्ट सर्विस एसोसिएट फूड एंड बेवरेज कोर्स का संचालन ऑफलाइन मोड में किया जा रहा है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर कोर्सेज के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं एवं पास आउट विद्यार्थी जिनकी अधिकतम उम्र 35 वर्ष हों वे इस कोर्स के लिए पात्र हैं । इस कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय में 60 सीटें निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार परक प्लेसमेंट किया जाएगा । कार्यक्रम की अधिक जानकारी के लिए सहायक आचार्य हंसराज कुमावत से संपर्क करें ।

राजस्थान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के उपाध्यक्ष पद पर हुए नियुक्त अब्दुल खल्लाक खान

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) निवासी अब्दुल खल्लाक खान को कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने अहम जिम्मेदारी सौंपी है, उन्हें अल्पसंख्यक राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के आदेशानुसार व राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एम डी चोपदार द्वारा प्रदेश के अल्पसंख्यक विभाग के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। खान ने बताया कि कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। निरंतर कार्य करने पर पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदार दी है उसे शत प्रतिशत पूरा करूंगा। साथ ही उन्होंने कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग

के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

सीएचसी मंडावर में विधायक राजेंद्र मीणा की समीक्षा बैठक

- मरीजों को बेहतर उपचार देने के दिए सख्त निर्देश

शफीक अली

मंडावर (रॉयल पत्रिका)। गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा ने मंडावर स्थित अस्पताल प्रशासन के साथ बैठक कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान विधायक मीणा ने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। चिकित्सा सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता या अनियमितता बिल्कुल भी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार, आवश्यक दवाइयां और सम्मानजनक व्यवहार मिलना सुनिश्चित किया जाए। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक के बाद विधायक मीणा ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम जानी और उन्हें मिल रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि क्षेत्र के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर और बेहतर उपचार मिल सके।

वक्फ संपत्तियों के डाटा अपलोड हेतु विशेष शिविर 13 से 15 मार्च तक

-मुतवल्ली व जिम्मेदार व्यक्तियों से आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने की अपील

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के उम्मीद (UMMED) पोर्टल पर जिले की वक्फ संपत्तियों का डाटा अपलोड करने का कार्य प्रगति पर है। इस कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के लिए पोर्टल 22 मार्च 2026 तक खुला रहेगा। डाटा अपलोड प्रक्रिया में तेजी लाने तथा संबंधित पक्षों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से 13 मार्च से 15 मार्च 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक जिला मुख्यालय पर विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर जिला कलेक्ट्रेट के पीछे, ठीगला कॉलोनी स्थित राजकीय अल्पसंख्यक बालक आवासीय विद्यालय की कंप्यूटर लैब में आयोजित होगा। संबंधित सभी मुतवल्ली, सदर एवं जिम्मेदार व्यक्तियों से अपील की गई है कि वे वक्फ संपत्तियों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज जैसे जमाबंदी, वक्फ गैजेट, द्वितीय सर्वे सहित अन्य अभिलेख साथ लेकर शिविर में उपस्थित हों और उम्मीद पोर्टल पर डाटा अपलोड कराने में सहयोग प्रदान करें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए वक्फ कमेटी के प्रतिनिधि एडवोकेट हासीब से मोबाइल नंबर 9414771257 पर संपर्क किया जा सकता है।

बडबर में जिला कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

- अधिकारियों को संवेदनशील होकर काम करने के निर्देश

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने गुरुवार को बुहाना उपखंड की बडबर ग्राम पंचायत के राजकीय विद्यालय में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा उठाई गई समस्याएं उचित हैं और उनका शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए गांव में पेयजल की समस्या के समाधान के लिए ट्यूबवेल में आठ दिन के भीतर बड़ी मोटर लगाई जाएगी। साथ ही 1 अप्रैल से टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति भी शुरू कर दी जाएगी। इसके अलावा गांव के अन्य कुओं में भी मोटर लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। डॉ. गर्ग ने अधिकारियों से आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा

कि ग्राउंड लेवल पर कार्य करने वाले कार्मिक आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और अपने स्तर पर समाधान का प्रयास करें। यदि किसी कारण से समस्या का समाधान संभव नहीं हो तो ग्रामीणों को संतोषजनक जवाब दिया जाए। उन्होंने गांव के खेल मैदान से जल्द तार हटाने तथा स्कूल का नाम संस्कृत बालिका विद्यालय के नाम से करने के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास, बुहाना एसडीएम पूनम मीणा, वृत्ताधिकारी पुलिस नोपाराम, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक राजेश मील, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया, उद्यान विभाग के उपनिदेशक डॉ विजयपाल कस्वा, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र स्वामी, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजेंद्र लाम्बा सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

हेमावास बांध से चोराई के तालाब भरने की भाटी ने की मांग

-विधायक भाटी ने जिला कलेक्टर एवं सिंचाई विभाग के एसी से की चोराई के तालाब भरने की बात

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। विधायक प्रतिनिधि मदनसिंह जागरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पाली विधायक भीमराज भाटी ने हेमावास बांध में 22 फीट पानी भरा होने पर भीषण गर्मी को देखते हुए रोहट क्षेत्र की चोराई के अनेक गांवों के तालाब भरने की मांग की है। विधायक भाटी ने इस संबंध में जिला कलेक्टर एल. एन. मंत्री एवं सिंचाई विभाग के एसी रामनारायण चौधरी से बात कर जैतपुर, सुकरलाई, मांडावास, धोलेरिया, बीजा,

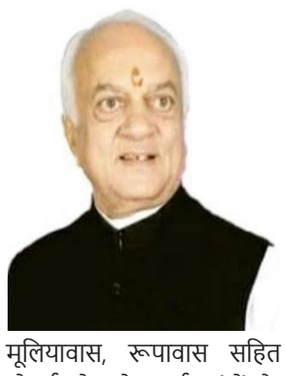

मूलियावास, रूपावास सहित चोराई क्षेत्र के कई गांवों के तालाब भरने का पुर जोर आग्रह किया। इस पर जिला कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इस संबंध में उचित कार्यवाही की जाएगी। विधायक भाटी ने कहा कि वर्तमान में हेमावास नहर को किसानों के लिए खोली गई है, लेकिन किसान पर्याप्त पानी नहीं ले रहे हैं, जिससे पानी खुडावास नदी और बांडी नदी में व्यर्थ बह रहा है। इस पानी का उपयोग करने के लिए भीषण गर्मी में क्षेत्र के कई तालाब भरे जा सकते हैं, जिससे पशुधन और आमजन को पीने का पानी उपलब्ध हो सकेगा और गर्मी में लोगों को राहत मिलेगी।

जिला स्तरीय मेस मैनेजमेंट मीटिंग 13 मार्च को

पाली (रॉयल पत्रिका)। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय जोजावर पाली के प्राचार्य डीसी गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार 13 मार्च को विद्यालय में 4:00 बजे जिला स्तरीय मेस मैनेजमेंट की मीटिंग आयोजित की जाएगी। मीटिंग में अतिरिक्त जिला कलेक्टर, जिला स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला रसद अधिकारी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शामिल होंगे। मीटिंग में बच्चों के खाने की गुणवत्ता, साफ-सफाई और पोषण पर होगी चर्चा।

रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली मिड-साइज क्रूजर ने बिक्री में 6 लाख का ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया

मुंबई, एजेंसी। रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 भारत की सबसे पसंदीदा क्रूजर बाइक बन गई है। नवंबर 2020 में लॉन्च होने के बाद से इस बाइक की 6 लाख से ज्यादा बिक्री हो चुकी है क्योंकि इसने दुनिया भर के राइडर्स का भरोसा जीता है।

इसके आरामदायक चलने के अंदाज़, बेहतर इंजन और आसान राइड के कारण रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 जल्दी ही अनुभवी बाइक चालकों और नए राइडर्स दोनों की पहली पसंद बन गई है।

बीते सालों में रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 को कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले हैं। साथ ही इसे इंडियन मोटरसाइकिल ऑफ द ईयर 2021 का प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिला, जिससे यह मिड-साइज बाइक सेगमेंट की सबसे सफल क्रूजर बाइकों में शामिल हो गई।

लॉन्च के बाद से मेटियोर 350 ने आसान और आरामदायक क्रूजिंग का मतलब बदल दिया है। यह बाइक हर उम्र के राइडर्स के लिए शानदार है और रोज़ शहर में चलाने के साथ-साथ लंबी हाईवे यात्राओं के लिए भी आसान और आरामदायक क्रूजर बन गई है।

रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 पहली ऐसी बाइक है जो रॉयल एनफील्ड जे-सीरीज़ प्लेटफॉर्म पर बनी

है। इस बाइक ने जल्दी ही लंबी दूरी तक चलाने वाले राइडर्स के साथ - साथ बाइक के शौकीनों और पहली बार बाइक खरीदने वाले लोगों का भी दिल जीत लिया, क्योंकि इसमें आराम और बेहतर इंजन का अनुभव मिलता है। शहर के ट्रैफिक में चलाने की बात हो यह खुले हाईवे पर लंबी राइड हो यह बाइक दोनों ही परिस्थिति में उतनी ही आरामदायक लगती है। इसी वजह से मेटियोर 350 ने नए राइडर्स को आकर्षित करके मिड-साइज क्रूजर बाइक के सेगमेंट को और बड़ा बनाने में मदद की है।

रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 की मांग भारत के साथ-साथ दूसरे देशों में भी बहुत ज्यादा है। खासकर लैटिन अमेरिका, सार्क और यूरोप के बाजारों में यह बाइक काफी पसंद की जाती है। जिससे साफ पता चलता है, कि अलग-अलग जगहों और सड़कों पर चलाने के लिए भी यह बाइक लोगों को पसंद आती है।

रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 में क्लासिक क्रूजर लुक और आधुनिक टेक्नोलॉजी दोनों का शानदार मेल है। इसमें 349ष्ठ का एयर-ऑयल कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन है, जो स्मूथ और अच्छी पावर देता है। जिससे चलाने वालों को उम्दा एहसास होता है।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम17ई 5जी पेश किया, भारत के युवा यूजर्स के लिए एक ऑल-इन-वन स्मार्टफोन

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज अपने गैलेक्सी एम17ई 5जी की सारी खूबियों की जानकारी दी है। यह फोन 17 मार्च को लॉन्च किया जाएगा। तेजी से बदलती डिजिटल जीवनशैली में युवा यूजर्स को ऐसे डिवाइस की जरूरत होती है जो उनके काम करने, संवाद करने और कंटेंट उपभोग करने के तरीके के साथ तालमेल बिठा सकें। गैलेक्सी एम17ई 5जी एक शानदार डिस्प्ले, भरोसेमंद बैटरी, कुशल प्रोसेसिंग, इनेबल्ड कैमरे और इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर को जोड़कर एक संपूर्ण स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है।

गैलेक्सी रू सीरीज पहले से ही भारत में सैमसंग के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले स्मार्टफोन लाइन-अप में से एक है। गैलेक्सी एम17ई

5जी के साथ सैमसंग इस सीरीज को और विस्तार दे रहा है, जिसमें एक ऐसा डिवाइस है जो प्रमुख स्मार्टफोन फीचर्स में विश्वसनीय परफॉर्मेंस और रोजमर्रा की उपयोगिता प्रदान करता है।

गैलेक्सी एम17ई 5जी, जो वाइस वॉयलेट और ब्लिट्ज ब्लू कलर में उपलब्ध होगा, में 6.7 इंच का एचडी+ स्क्रीन है जिसमें 120एच5 रिफ्रेश रेट है। इससे ऐप्स, सोशल मीडिया और वेब ब्राउजिंग में स्क्रॉलिंग बेहद स्मूथ रहती है। डिस्प्ले में एडैप्टिव ब्राइटनेस के साथ हाई ब्रइटनेस मोड भी है, जो आसपास की रोशनी के आधार पर ब्राइटनेस को ऑटोमैटिक तरीके से एडजस्ट करता है, ताकि सीधी धूप में भी स्क्रीन साफ दिखाई दे। इस स्मार्टफोन में आधुनिक सौंदर्य और रोजमर्रा की व्यावहारिकता को सहजता से जोड़ा गया है, साथ ही इसमें मजबूत डिजाइन है। यह मात्र 8.2एमएम पतला है।

मिडलाइफ कोई संकट नहीं बल्कि महिला की असली ताकत का उदय है

लिसा रे

मुंबई फिल्म 'कसूर' से भारतीय सिनेमा में लोकप्रियता हासिल करने वाली कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अब भले ही स्क्रीन पर दिखाई नहीं देती हैं लेकिन वे सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं के स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर बात करती रहती हैं। लिसा रे ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने विचार व्यक्त किए। इस पोस्ट में उन्होंने मिडलाइफ के बारे में अपने भाव व्यक्त किए। अभिनेत्री ने लिखा, 'जब शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन कम होने लगता है, तो कई बदलाव आते हैं। लोग अब दूसरों को खुश करने की पुरानी आदत छोड़ देते हैं। खुद पर शक करना कम हो जाता है और मन की शांति सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगती है। वहीं, अपनी बनाई गई सीमाएं और नियम मजबूत होने लगते हैं। ' लिसा ने लिखा, 'मिडलाइफ वह दौर है जब हार्मोन के बदलाव के साथ-साथ जिंदगी की बेकार चीजें भी दूर हो जाती हैं। अब कम माफी मांगते हैं, कम खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। अपनी कीमत खुद समझ आती है। जरूरत पड़ने पर साफ 'ना' कहना आसान हो जाता है और जीवन ज्यादा सुकून से जीने लगता है। लिसा रे 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने साल 1994 में फिल्म 'हंसते खेलते' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था, लेकिन असल पहचान उन्हें फिल्म कसूर से मिली थी। इसके बाद वे 'वाटर' और 'आई कांट थिंक स्ट्रेट' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। हालांकि, करियर के पीक पर ही उन्हें कैंसर हो गया था और उन्होंने फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। हालांकि अब वह ठीक हैं और उन्होंने कैंसर से जंग जीत ली है।

साई पल्लवी और जुनैद खान स्टारर फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज, दिखी एक सुकून भरी लव स्टोरी की झलक

हफ्तों के बढ़ते इंतजार के बाद, आमिर खान प्रोडक्शंस ने आखिरकार फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत बहुत ही सुकून भरी और दिल को छू लेने वाली दुनिया से होती है, जो दर्शकों को एक जादुई और क्लासिक प्रेम कहानी की झलक देती है। ट्रेलर में जुनैद खान एक 'फॉर्च्यून बेल' (किस्मत की घंटी) के बारे में बताते दिख रहे हैं, जिसे बजाने पर सच्चे प्यार की मुराद पूरी होती है। जब वह यह बात कह रहे होते हैं, तब वह साई पल्लवी के किरदार 'मीरा' की तरफ देखते हैं और मन ही मन दुआ करते हैं कि काश वो उनकी हो जाए। वह कहते हैं कि वह चाहते हैं कि उनकी यह ख्वाहिश पूरी हो, भले ही सिर्फ एक दिन के लिए। ट्रेलर में जुनैद और साई पल्लवी के बीच की प्यारी केमिस्ट्री देखने को मिलती है, जो एक इमोशनल और दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी का इशारा दे रही है। स्क्रीन पर ये दोनों साथ में बहुत ही फ्रेश और एक्साइटिंग लग रहे हैं, और उनके बीच का सहज अंदाज हर सीन में एक जादू सा पैदा कर रहा है। यह एक ऐसी केमिस्ट्री है जिसे शब्दों में बताना मुश्किल है, लेकिन देखते वक्त इसे बखूबी महसूस किया जा सकता है। यह फिल्म एक जादुई और क्लासिक प्रेम कहानी का वादा करती है, जो आजकल के बॉलीवुड में काफी कम देखने को मिलती है। इसकी कहानी कहने के अंदाज में एक पुराना आकर्षण और इमोशनल ईमानदारी है, जो दर्शकों को उन रोमांटिक फिल्मों की याद दिलाती है जिन्होंने कभी इस जॉनर की पहचान बनाई थी। मेकर्स ने अब तक जो भी कंटेंट रिलीज किया है, उसने फिल्म को लेकर पहले ही काफी जबरदस्त चर्चा और उत्सुकता पैदा कर दी है। फिल्म का टाइटल ट्रैक, जो कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और जिसे अरिजीत सिंह के होमटाउन में शूट किया गया है, उसे दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला। अरिजीत की आवाज ने इस कंपोजिशन में एक अलग ही जादू भर दिया है, जिससे यह गाना और भी यादगार बन गया है। साई पल्लवी ने इस ट्रेलर में भी अपनी एक जबरदस्त छाप छोड़ी है, और क्योंकि यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है, तो यह देखना वाकई दिलचस्प होगा कि हिंदी दर्शक उन्हें कितना पसंद करते हैं। हालांकि, ट्रेलर देखकर यह साफ हो जाता है कि साई पल्लवी साउथ में इतनी डिमांड में क्यों रही हैं और अब हिंदी फिल्मों के लिए भी मेकर्स की पहली पसंद क्यों बनी हुई हैं। एक दिन के जरिए आमिर खान और फिल्ममेकर मंसूर खान एक लंबे अंतराल के बाद फिर से साथ आ रहे हैं, जो हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। इस जोड़ी ने दर्शकों को कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं। एक दिन के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में वापसी कर रही है, जिसने फैंस के बीच एक नया उत्साह भर दिया है।

नेगेटिव रोल में दिखेंगे सुधांशु पांडे

अभिनेता ने अपने 'जटिल' किरदार को लेकर किया बड़ा खुलासा

टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सुधांशु पांडे इन दिनों लोकप्रिय शो 'दो दुनिया एक दिल' में नजर आ रहे हैं। इस सीरियल में वे एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अपने रोल को लेकर बात की। अभिनेता ने बताया कि उनका किरदार काफी जटिल और लेयर्ड है। इसमें कई ऐसे पहलू दिए गए हैं, जो दर्शकों को चौंका सकते हैं। उन्होंने बताया, 'मैं हर रोल में कुछ नया करने की कोशिश करता हूं ताकि दर्शकों को अनएक्सपेक्टेड मोमेंट्स देखने को मिले और ये सब करना मुझे काफी अच्छा लगता है।' सुधांशु पांडे ने बताया कि शो में उनका किरदार भले ही बाहर से निगेटिव है, लेकिन इसमें कई तरह के डायमेंशन हैं, जो कहानी को धीरे-धीरे सामने लाने का काम करेंगे। सुधांशु पांडे ने कहा, 'मेरी हमेशा से ऐसी किरदार बनाने की होती है जो दर्शकों के दिल में बस जाएं और लंबे समय तक याद रहें। अगर कोई कैरेक्टर दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना ले, तो एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। ''शो में आप एक पिता की भूमिका भी निभा रहे हैं, लेकिन लोगों को लगता है कि आप अभी पिता के रोल के लिए काफी युवा हैं तो उन्होंने कहा, 'पिता बनने का मतलब यह नहीं कि बाल या दाढ़ी सफेद हो जाए। मैं असल जिंदगी में भी पिता हूं। मेरे बच्चे हैं, लेकिन मैं फिट और एक्टिव हूं। समाज में पिता के लुक को लेकर एक स्टीरियोटाइप है, जो गलत है। 'उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस और एनर्जी हर उम्र के लोगों में होनी चाहिए।

'नागबंधम' के मेकर्स ने जारी किया 'नमो रे' गाने का नया पोस्टर

बेहद चर्चित फिल्म नागबंधम के मेकर्स ने इसके पहले गाने 'नमो रे' के प्रोमो रिलीज की तारीख का ऐलान कर दिया है। पूरा गाना 15 मार्च 2026 को रिलीज किया जाएगा। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फिल्म का टीज़र आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। इस टीज़र ने रिलीज के महज 24 घंटों में 20 मिलियन (2 करोड़) से ज्यादा व्यूज पार कर लिए थे, जिससे IMDb की रिपोर्ट के अनुसार यह 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। नागबंधम के टीज़र को उसके बड़े स्केल, दमदार बैकग्राउंड म्यूज़िक और शानदार स्क्रीन प्रेजेंटेशन के लिए काफी पसंद किया जा रहा है। यह टीज़र एक ऐसी विजुअली रिच पौराणिक दुनिया की झलक दिखाता है, जो पूरी तरह से भारतीय लोककथाओं और कहानियों से जुड़ी हुई है।

निकिता दत्ता

ने ऋषिकेश में ट्रेकिंग के लिए परिवार के साथ जाने की दी सलाह

'ज्वेल थीफ' और 'कबीर सिंह' जैसी फिल्मों में काम कर मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री निकिता दत्ता हाल ही में उत्तराखंड के ऋषिकेश में एक रोमांचक ट्रेकिंग ट्रिप पर गई थीं। वहां पर उन्होंने ट्रेकिंग और खूबसूरत वादियों का जमकर आनंद लिया। अभिनेत्री ने अपने वेकेशन की कुछ झलक सोशल मीडिया पर शेयर की। वीडियो में वे ऋषिकेश के मनमोहक नजारों में ट्रेकिंग करती नजर आ रही हैं। निकिता ने आरामदायक ट्रेकिंग कपड़े पहने हैं। वे शांत और रिलैक्स अंदाज में पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता को एक्सप्लोर करती हुई और बीच-बीच में आराम भी करती नजर आईं। वहीं, पोस्ट में उन्होंने सभी से परिवार के साथ ट्रेकिंग करने की सलाह दी, ताकि माता-पिता या घरवाले चिंता न करें और सब मिलकर मजा ले सकें। उन्होंने लिखा, 'प्रो टिपः जब आप एडवेंचर करना चाहें तो घरवालों को परेशान न करने का एक ही तरीका है। बता दें कि भले ही आज के समय में निकिता सिनेमा में सक्रिय हैं, लेकिन उन्होंने करियर की शुरुआत टेलीविजन इंडस्ट्री से की थी। उन्होंने साल 2014 में 'लेकर हम दीवाना दिल' फिल्म से डेब्यू किया। टीवी की दुनिया में उन्होंने 2015 में 'ड्रीम गर्ल' से शुरुआत की और 2016 में 'एक दूजे के वास्ते' से पहचान बनाई। बाद में उन्होंने 'गोल्ड' (2018), 'कबीर सिंह' (2019), 'द बिग बुल', और 'डिब्बुक' (2021) जैसी फिल्मों में काम किया। वह वेब सीरीज 'खाकी : द बिहार चैप्टर' (2022) में भी नजर आई। निकिता दत्ता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में 'घरत गणपति' में शानदार काम किया था, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था। अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'ज्वेलथीफ' में नजर आई थीं। इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। बताया जा रहा है आने वाले समय में अभिनेत्री 'गुलगुले बकावली' में भी नजर आ सकती हैं, जो 2026 में रिलीज हो सकती है।

बेटे की एक गलती और मुनव्वर फ़ारूक़ी का बड़ा सबक

पहले माफ़ी मांगो, फिर मुझसे बात करो

अपनी तेज़ तर्रार ह्यूमर और सच्ची बातों के लिए मशहूर मुनव्वर फ़ारूक़ी को लोग मंच और स्क्रीन पर खूब पसंद करते हैं। लेकिन स्टेज की रोशनी से दूर, वो एक बेहद ज़िम्मेदार और जुड़े हुए पिता भी हैं। हाल ही में सना खान के साथ बातचीत में कॉमेडियन ने अपने बेटे से जुड़ा एक निजी किस्सा साझा किया, जो बताता है कि वो अपने बच्चे को कौन-सी अहम सीख देना चाहते हैं। मुनव्वर ने एक घटना याद की, जब उन्हें पता चला कि उनके बेटे मिकाएल ने घर में उसकी देखभाल करने वाली स्टाफ सदस्य से थोड़ी बदतमीज़ी से बात की थी। यह बात मुनव्वर के दिल में रह गई, क्योंकि उनके लिए यह बेहद ज़रूरी था कि उनका बेटा हर इंसान के साथ इज़्ज़त से पेश आने की अहमियत समझे। यह सुनकर मैंने कुछ समय के लिए उससे बात करना बंद कर दिया और कहा कि अगर वह ऐसा व्यवहार कर सकता है, तो सबसे पहले जाकर उनसे माफ़ी माँगे, उसके बाद ही मुझसे बात करे। उन्होंने आगे कहा कि मैं हमेशा अपने बेटे से कहता हूँ कि इज़्ज़त की शुरुआत तुमसे होनी चाहिए। सामने वाला बड़ा है या छोटा, इससे फर्क नहीं पड़ता- हर किसी के साथ सम्मान से पेश आना चाहिए। इस किस्से के ज़रिए मुनव्वर ने अपनी ज़िंदगी का एक ऐसा पहलू दिखाया जो लाइमलाइट से परे है एक सोचने-समझने वाले पिता का रूप और वे संस्कार जो वह अपने बेटे को देना चाहते हैं। काम की बात करें तो अभिनेता-कॉमेडियन जल्द ही 'द सोसाइटी' सीज़न 2 में होस्ट के रूप में वापसी करते नज़र आएंगे, इसके अलावा उनके कई और प्रोजेक्ट्स भी फिलहाल पाइपलाइन में हैं।

(साभार एजेंसी)

वर्ल्डकप जीतकर घर लौटे क्रिकेटर्स का जोरदार स्वागत

सूर्या बोले- हमारा अगला टारगेट ओलिंपिक गोल्ड, ईशान ने बच्चों के साथ क्रिकेट खेला

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय प्लेयर्स अपने-अपने घर पहुंच रहे हैं। जहां सभी का जोरदार स्वागत किया जा रहा है। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव, पटना में ईशान किशन और दिल्ली में हेड कोच गौतम गंभीर का ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत हुआ। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा- हमारा अगला गोल है - 2028 में भारत के लिए ओलिंपिक गोल्ड जीतना। उसी साल टी-20 वर्ल्ड कप भी होगा, इसलिए हम टी20 हैट्रिक बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

अमेलिया केर की हैट्रिक और अर्धशतक, न्यूजीलैंड की जिम्बाब्वे पर 200 रन से बड़ी जीत

डुनेडिन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। अमेलिया केर के शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल है, की बदौलत न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने बुधवार को तीसरे और आखिरी वनडे में जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम पर 200 रनों की बड़ी जीत हासिल करते हुए सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। केर ने 80 रन बनाए और गेंद से शानदार 5 विकेट लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा न्यूजीलैंड की कप्तान को जिम्बाब्वे के खिलाफ घर पर तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान 140 रन बनाने और 16 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। पहले बैटिंग करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 303/6 का मुश्किल स्कोर बनाया। कप्तान अमेलिया केर ने पारी को संभाला, 106 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 80 रन बनाए। उनकी इस पारी ने एक बड़े स्कोर की नींव भी रखी। मिडिल-ऑर्डर बैटर मैडी ग्रीन अपने शतक से चूक गईं। 33 साल की मैडी 73 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 94 रन बनाकर आउट हुईं।

ग्रीन और केर के अलावा ब्रुक हॉलिडे (40 गेंदों पर 40 रन, तीन चौकों और एक छक्के की मदद से), इजी शार्प (27 गेंदों पर 25 रन, चार चौकों की मदद से) ने भी बल्ले से जरूरी रन बनाए और न्यूजीलैंड ने 300 रन का आंकड़ा पार किया। जिम्बाब्वे की टेंडाई मकुशा (1/49), एडेल ज़िमुनु (1/41), और प्रेशियस मारेंज (1/49) ने एक-एक विकेट लिया। क्रिस्टाबेल चैटोंज़्वा (2/48) ने दो विकेट लिए। मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे को मोमेंटम बनाने में मुश्किल हुई और वे 27.1 ओवर में सिर्फ 103 रन पर आउट हो गए। लोरेन शुमा ने 41 गेंदों पर 34 रन बनाकर थोड़ी मुश्किलों का सामना किया लेकिन न्यूजीलैंड के बॉलर्स के टाइट कंट्रोल की वजह से मेजबान टीम ने रेगुलर इंटरवल पर विकेट गंवाए। न्यूजीलैंड के बॉलिंग अटैक ने शुरुआती विकेट हासिल किए जिसमें रोजमेरी मायर ने 16 रन देकर 2 विकेट लेकर शानदार वापसी की जबकि नेन्सी पटेल ने 16 रन देकर 1 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों पर प्रेशर बनाए रखा। इसके बाद केर ने लोअर ऑर्डर को तहस-नहस करके सेंटर स्टेज पर जगह बनाई। ऑलराउंडर ने सिर्फ 3.1 ओवर में पांच विकेट लिए जिसमें चेज के 24वें ओवर में एक शानदार हैट्रिक भी शामिल है। उन्होंने ऑड्रे माजविशाया, टेंडाई मकुशा और नोमवेलो सिबांडा को लगातार गेंदों पर आउट करके जिम्बाब्वे की इनिंग खत्म की और महमान टीम को जबरदस्त जीत दिलाई।

भारत सिर्फ घरेलू पिचों पर 200+ रन नहीं बनाता: कोच गंभीर

- लग गया था कि संजू बेहतर करेगा, आंकड़े नहीं, अंतरात्मा की आवाज पर चलता हूं

मेरा काम सुपरस्टार नहीं, सुपर टीम बनाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने कई मुद्दों पर बात की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने भारतीय पिचों पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि टी-20 बैटर्स का खेल है और भारत ने विदेशों में भी 200 से ज्यादा स्कोर बनाया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका में भी ऐसा स्कोर बनाया है। टीम इंडिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ भारत तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बन गया और साथ ही टाइटल डिफेंड करने वाला पहला देश भी बन गया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी कोचिंग फिलॉसफी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य टीम में सुपरस्टार बनाना नहीं बल्कि एक मजबूत सुपर टीम तैयार करना है।

गंभीर ने अपनी कार्यशैली पर बात करते हुए कहा कि वह फैसले लेते समय डेटा से ज्यादा अपनी समझ और अंतरात्मा की आवाज पर भरोसा करते हैं। उन्होंने संजू सैमसन को लगातार मौका देने की वजह, अपनी नियुक्ति और टीम के भविष्य पर भी चर्चा की। साथ ही पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद के ट्रॉफी को मंदिर ले जाने पर दिए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई।

'भारत में विकेट तैयार करने का आरोप गलत'

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पिचों को लेकर उठे सवालों पर टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि भारत अपने फायदे के लिए पिच तैयार करता है, यह आरोप गलत है और अक्सर ऐसे बयान विवाद और टीआरपी के लिए दिए जाते हैं। गंभीर के मुताबिक टी-20 क्रिकेट अब बैटर्स का खेल बन चुका है और दुनियाभर में बड़े स्कोर बन रहे हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसे देशों में भी 200 से ज्यादा रन बनाए हैं, इसलिए इसे सिर्फ घरेलू पिचों से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में पिचों की जिम्मेदारी इंटरनेशन क्रिकेट काउंसिल की होती है, बीसीसीआई की नहीं। इसलिए भारत के लिए विकेट तैयार करने का सवाल ही नहीं उठता। गंभीर ने कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने वहां करीब 180 रन बनाए थे, जबकि बाकी टीमें उसी पिच पर करीब 140 रन तक ही पहुंच सकीं, लेकिन तब किसी ने पिच पर सवाल नहीं उठाए। टी-20 मैच में दर्शक बड़े स्कोर देखना चाहते हैं। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका में भी हाई स्कोरिंग मैच आम हो गए हैं।

डेटा नहीं, अपनी समझ पर भरोसा करता हूं

गंभीर का कहना है, 'कोच के तौर पर फैसले लेते समय मैं डेटा से ज्यादा अपनी समझ पर भरोसा करता हूं। हर कोच की टीम को लेकर अपनी अलग सोच और नजरिया होता है।' गंभीर ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि कोई फैसला टीम के लिए सही है तो उस पर कायम रहता हूं और गलत साबित होने पर जिम्मेदारी भी स्वीकारता हूं। टीम का खेल, व्यवहार और माहौल मेरी अपनी सोच और विजन का हिस्सा है, जबकि भविष्य में आने वाला कोच अपनी सोच के साथ टीम को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर मैं वीवीएस लक्ष्मण और अजीत अगरकर जैसे अनुभवी लोगों से क्रिकेट पर चर्चा करता हूं।

जसप्रीत बुमराह टी-20 कम, वनडे ज्यादा खेलेंगे

2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी पर रहेगा फोकस, वर्कलोड मैनेज करेगा बोर्ड

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब टी-20 सीरीज कम खेलेंगे। वे 2027 वर्ल्ड कप तक ज्यादा वनडे मैच खेलेंगे। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बना रहे हैं। ताकि 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी बेहतर हो सके। बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अगले कुछ समय में द्विपक्षीय टी20 सीरीज में बुमराह को कम मौके दिए जा सकते हैं।

बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद वनडे नहीं खेला- बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद कोई वनडे मैच नहीं खेला है। पिछली बार वे वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वनडे क्रिकेट खेलने उतरे थे।

2027 वर्ल्डकप तक टी-20 की प्राथमिकता कम- अक्टूबर-नवंबर 2027 तक टी20 इंटरनेशनल टीम के लिए कम प्राथमिकता वाला फॉर्मेट माना जा रहा है। इसी दौरान जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर सकते हैं। अब आईसीसी का अगला टूर्नामेंट 2027 का वनडे वर्ल्डकप होगा। उसी साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी खेला जाएगा। 2028 में अगला टी-20 वर्ल्ड कप, ओलिंपिक गेम्स और चैंपियंस ट्रॉफी शेड्यूल्ड हैं।

आईपीएल के बाद तैयार होगी रणनीति- आईपीएल के बाद सिलेक्शन कमेटी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। आईपीएल में बुमराह मुंबई इंडियंस के पेस अटैक की अगुआई करने वाले हैं।

बड़े टूर्नामेंट में बुमराह की फिटनेस अहम

भारत के बड़े टूर्नामेंट अभियानों में बुमराह की फिटनेस बेहद अहम रहती है। ऐसे में उनके मैचों और फॉर्मेट को लेकर काफी सावधानी बरती जाएगी। बुमराह पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के टॉप विकेट टेकर रहे हैं। उन्होंने 14 विकेट झटके। वे अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ प्लेयर ऑफ द फाइनल भी चुने गए थे।

धोनी आईपीएल 2026 में सभी मैच खेलेंगे

- सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने दिए जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा कि अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आने वाले एडिशन में सभी मैच खेल सकते हैं, साथ ही यह भी कहा कि उनके खेलने के रोल पर आखिरी फैसला टीम मैनेजमेंट करेगा। आईपीएल का 19वां एडिशन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और सभी फ्रेंचाइजी ने इस कैश-रिच इवेंट की तैयारी के लिए अपने ट्रेनिंग कैंप शुरू कर दिए हैं। हाल ही में खत्म हुए टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा रहे खिलाड़ी जल्द ही अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ेंगे और टूर्नामेंट के लिए ट्रेनिंग शुरू करेंगे।

सीएसके के लीजेंड धोनी के आईपीएल 2026 में मेन इन येलो के लिए खेलने के साथ उनकी उम्र को देखते हुए विकेटकीपर-

बल्लेबाज के सभी मैचों में हिस्सा लेने को लेकर चिंता थी। हालांकि कासी ने ऐसी सभी चिंताओं को खारिज कर दिया और कहा, मेरे हिसाब से वह सभी मैच खेलेंगे। टीम में अब एक और विकेटकीपर-बैटर सैमसन के होने से टूर्नामेंट में वह क्या रोल निभाएंगे? उन्होंने कहा, यह मैं नहीं कह सकता। यह क्रिकेट का फैसला है जो क्रिकेट स्टाफ लेगा। एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ नहीं। इसलिए वे तय करेंगे कि वह बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे या विकेटकीपर-बैटर के तौर पर, या एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर। देश में शुरू होने वाले चुनावी प्रोसेस को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट का शेड्यूल गुरुवार को घोषित होने की संभावना है। कासी ने कन्फर्म किया कि पांच बार के चैंपियन अपने सभी होम मैच चेन्नई में खेलेंगे। उन्होंने कहा, हमें सिर्फ तमिलनाडु में ही खेलना है। इसलिए हम बीसीसीआई द्वारा शेड्यूल अनाउंस किए जाने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया के ञ20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कैंपेन में मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस देने वाले फ्रेंचाइजी के प्लेयर्स संजू सैमसन और शिवम दुबे पर गर्व जताया और कहा, हम बहुत खुश हैं कि भारत ने वर्ल्ड कप जीता है, वो भी बैक-टू-बैक। हम इसलिए खुश हैं क्योंकि सीएसके के दो प्लेयर्स, संजू और शिवम दुबे ने बहुत अच्छा परफॉर्म किया है। इससे हमें टीम पर बहुत कॉन्फिडेंस मिलता है कि वह यहां भी ष्टस्न्च के लिए अच्छा करेगी। कैंप में प्लेयर्स की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, प्रैक्टिस अच्छी चल रही है, अभी तक कोई प्रॉब्लम नहीं हुई है।

फीफा को उम्मीद, युद्ध के बावजूद फुटबॉल विश्व कप में भाग लेगी ईरान की टीम

तेहरान (एजेंसी)। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने उम्मीद जताई है कि मौजूदा हालात और युद्ध के बावजूद ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को अमेरिका आने और आगामी फीफा विश्व कप 2026 में हिस्सा लेने की अनुमति मिल जाएगी। फीफा का मानना है कि टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए ईरान की टीम का अमेरिका में स्वागत किया जाएगा।

युद्ध के कारण उठे थे सवाल

हाल ही में ईरान फुटबॉल महासंघ के कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया था कि मौजूदा युद्ध की स्थिति के कारण टीम का विश्व कप में खेलना संदेह के घेरे में आ सकता है। हालांकि फीफा को उम्मीद है कि इन परिस्थितियों के बावजूद टीम टूर्नामेंट में भाग ले सकेगी।

ट्रंप से हुई फीफा अध्यक्ष की बातचीत

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने बताया कि उन्होंने मंगलवार रात को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। इस दौरान टूर्नामेंट की तैयारियों और ईरान की स्थिति पर चर्चा हुई। इन्फेंटिनो के अनुसार, ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिलाया कि ईरान की टीम को अमेरिका आने और विश्व कप में खेलने की अनुमति दी जाएगी।

- **अमेरिका में खेलेगी अपने ग्रुप मैच** - ईरान की टीम विश्व कप के ग्रुप चरण के सभी मुकाबले अमेरिका में खेलेगी। टीम अपना पहला मैच 15 जून को कैलिफोर्निया के इंगलेवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 21 जून को बेल्जियम से मुकाबला होगा। ग्रुप चरण का आखिरी मैच 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ खेला जाएगा।
- **11 जून से शुरू होगा टूर्नामेंट** - फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई तक किया जाएगा। इस बार टूर्नामेंट की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको संयुक्त रूप से करेंगे।

इंडियन वेल्स-रोमांचक जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जानिक सिनर

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो युवा प्रतिभाओं के बीच बहुप्रतीक्षित पहली मुलाकात इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में खचाखच भरी भीड़ के सामने उम्मीदों पर खरी उतरी, जिसमें सिनर ने महत्वपूर्ण क्षणों में जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी क्वार्टरफाइनल उपस्थिति सुनिश्चित की। सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की और एक और टाई-ब्रेक में जोरदार समापन करके जीत हासिल की। सिनर ने मैच के बाद कहा, जोआओ एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है, अविश्वसनीय प्रतिभा है, दोनों तरफ से बहुत शक्तिशाली है। वह बहुत अच्छी सर्विस कर रहा था। मुझे लगा कि जितना संभव हो उतना आक्रामक होने की कोशिश करना महत्वपूर्ण है। दूसरे सेट के अंत में मैंने थोड़ी तीव्रता कम कर दी लेकिन उसने वहां अविश्वसनीय टेनिस खेला। माहौल अद्भुत रहा है, इसलिए मैं आज के मैच से बहुत खुश हूं। इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपनी 97वीं जीत दर्ज की, और श्रृंखला में किसी इतालवी द्वारा सबसे अधिक जीत के मामले में फैबियो फोगनिनी को पीछे छोड़ दिया। 24 वर्षीय खिलाड़ी अब 2024 की शुरुआत से खेले गए 12 एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में से 11 में क्वार्टर फाइनल चरण में पहुंच गए हैं। शुरूआती सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं दिखा और टाईब्रेक में फोन्सेका के 5-2 से आगे होने से पहले दोनों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी। हालांकि, सिनर ने लगातार 5 अंकों के साथ जवाब दिया, जिसमें 6-6 पर रिटर्न विनर भी शामिल था, सेट छीनने के लिए।

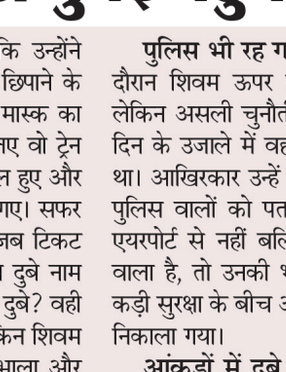

वर्ल्ड कप जीतने के बाद ट्रेन के थर्ड एसी से अहमदाबाद से मुंबई पहुंचे शिवम दुबे

खुद को कंबल में छिपाया, पत्नी भी थी साथ में

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद, भारतीय क्रिकेटर के लेफ्ट हैंड बल्लेबाज ने अहमदाबाद से मुंबई तक का सफर कुछ अलग ही अंदाज़ में पूरा किया। सभी फ्लाइट बुक होने के कारण और रोड से यात्रा लंबी होने की वजह से उन्होंने ट्रेन के थर्ड एसी को चुना। यात्रा के दौरान बीच-बीच में टीसी (ट्रेन कांस्टेबल) भी आया, लेकिन उन्होंने किसी को अपने पहचान का पता नहीं चलने दिया। पत्नी भी उनके साथ थीं। अब इस खिलाड़ी ने खुद ही सबके सामने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी पहचान छिपाई। न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी ओवर में जब शिवम दुबे ने 3 चौके और 2 छक्के जड़कर भारत का स्कोर 250 के पार पहुंचाया, तो वो रातों-रात पूरे देश के एक्शन हीरो बन गए। लेकिन इस ऐतिहासिक जीत के कुछ ही घंटों बाद, मैदान का ये बाहुबली एक ऐसी सीक्रेट मिशन पर निकल पड़ा, जिसकी कहानी किसी फिल्मी थ्रिलर से कम नहीं है। अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली फ्लाइट्स का अकाल पड़ा तो शिवम ने वो रास्ता चुना जो एक वर्ल्ड चैंपियन के लिए लगभग नामुमकिन सा लगता है- ट्रेन का सफर, वो भी जनरल भीड़-भाड़ वाले थर्ड एसी (3-टीयर) कोच में।

छक्के छुड़ाने वाले खिलाड़ी का 'मास्क' वाला अवतार - मैदान पर गेंदबाजों के पसीने छुड़ाने वाले शिवम दुबे इस बार खुद थोड़े डरे हुए थे। डर आउट होने का नहीं, बल्कि फैंस की भीड़ में घिर जाने का था। अपने 4 साल के बेटे अयान और 2 साल की बेटी महविश से मिलने की बेताबी इतनी थी कि उन्होंने लग्जरी के बजाय समय को चुना। पहचान छिपाने के लिए दुबे ने फुल स्लीव टी-शर्ट, कैप और मास्क का सहारा लिया। स्टेशन पर हंगामा न हो, इसलिए वो ट्रेन छूटने के महज 5 मिनट पहले कोच में दाखिल हुए और चुपचाप अपनी अपर बर्थ पर जाकर दुबक गए। सफर के दौरान सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया जब टिकट चेकर (टीटीई) वहां पहुंचा। चार्ट पर शिवम दुबे नाम देखते ही टीटीई चौंक गया और पूछा, शिवम दुबे? वही क्रिकेटर? पल भर के लिए सांसें थम गईं, लेकिन शिवम की पत्नी अंजुम ने बड़ी चतुराई से मोर्चा संभाला और मुस्कुराते हुए कहा- अरे नहीं-नहीं, वो यहां कहां से आएगा? ये सुनते ही टीटीई आगे बढ़ गया और भारतीय क्रिकेट का सितारा एक भूरे रंग के रेलवे कंबल में अपनी पहचान छिपाए मुस्कुराता रहा।

पुलिस भी रह गई दंग - पूरे 8 घंटे की यात्रा के दौरान शिवम ऊपर वाली सीट से नीचे नहीं उतरे। लेकिन असली चुनौती थी मुंबई का बोरीवली स्टेशन। दिन के उजाले में वहां से सुरक्षित निकलना टेढ़ी खीर था। आखिरकार उन्हें पुलिस की मदद लेनी पड़ी। जब पुलिस वालों को पता चला कि वर्ल्ड कप का हीरो एयरपोर्ट से नहीं बल्कि ट्रेन के डिब्बे से बाहर आने वाला है, तो उनकी भी आंखें फटी की फटी रह गईं। कड़ी सुरक्षा के बीच अंडरकवर दुबे को स्टेशन से बाहर निकाला गया।

आंकड़ों में दुबे का धमाका - मैदान के बाहर सादगी दिखाने वाले दुबे ने मैदान के अंदर पूरे टूर्नामेंट में तबाही मचाई थी। गौतम गंभीर की कोचिंग और सूर्या की कप्तानी में दुबे ने मिडिल ऑर्डर की रीढ़ बनकर काम किया।

ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों, दुबई हवाई अड्डे और तेल सुविधाओं को बनाया निशाना, ऊर्जा संकट बढ़ा

» दुबई, भाषा।

ईरान ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट बढऩे और अमेरिकी व इजराइली हवाई हमलों के बीच तेल-समृद्ध क्षेत्र पर दबाव बनाने के अपने अभियान को तेज करते हुए फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया व दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया। ईरान के दो ड्रोन दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास गिरे। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लंबी दूरी की उड़ान भरने वाली विमानन कंपनी अमीरात का मुख्यालय है और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। दुबई मीडिया कार्यालय के अनुसार, इस हमले में चार लोग घायल हुए हालांकि उड़ान परिचालन जारी रहा। ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने पश्चिम एशिया में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाने की कवायद शुरू करने की घोषणा की।

इससे विशेष रूप से दुबई, सऊदी अरब और बहरीन द्वीप समूह खतरे में पड़ सकते हैं। इससे पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के तट पर थाइलैंड के एक मालवाहक जहाज पर एक मिसाइल गिरी, जिससे पोत में आग लग गई। थाइलैंड के समुद्री विभाग के अनुसार, ओमान की नौसेना द्वारा 20 लोगों को बचाए जाने के बाद अधिकारी मयूरी नारी जहाज पर तैनात चालक दल के तीन लापता सदस्यों की तलाश कर रहे हैं। कुवैत ने कहा कि देश के रक्षा तंत्र ने ईरान के आठ ड्रोन मार गिराए जबकि सऊदी अरब ने शैबाह तेल क्षेत्र की ओर जा रहे पांच ड्रोनों को निशाना बनाया। ईरान ने इस संकरे जलडमरूमध्य में माल ढुलाई को लगभग पूरी तरह रोक दिया है। यहां से तेल परिवहन का कुल पांचवा हिस्सा गुजरता है। ईरान ने खाड़ी अरब देशों में तेल क्षेत्रों व रिफाइनरियों को भी निशाना बनाया है और इन हमलों का उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था को इतना नुकसान पहुंचाना है, जिससे अमेरिका और इजराइल पर अपनी सैन्य कार्रवाई को बंद करने का दबाव पड़े। इससे पहले अमेरिका ने कहा था कि उसने बारूदी सुरंग बिछाने वाले ईरान के 16 जहाज नष्ट किए हैं वहीं ईरान ने क्षेत्र के तेल निर्यात को रोकने का प्रण करते हुए कहा कि वह अपने दुश्मनों को एक लीटर भी तेल भेजने की अनुमति नहीं देगा। युद्ध के होर्मुज जलडमरूमध्य पर पड़ने वाले असर को लेकर बढ़ती चिंता के बीच अमेरिकी सेना ने बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाजों को नष्ट करने का दावा करते हुए कुछ वीडियो भी जारी किए। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान द्वारा विस्फोटक लगाए जाने की कोई सूचना नहीं है।

मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज

दुबई, भाषा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर बुधवार को उस समय अटकलें तेज हो गईं जब ईरान के राष्ट्रपति के बेटे ने उनके घायल होने संबंधी समाचार सुनने की बात कही। मोजतबा (56) इजराइल और अमेरिका के हमलों में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे हैं। ईरान में मोजतबा लंबे समय से एक रहस्यमय शख्सियत रहे हैं। उनके पिता एवं पत्नी की 28 फरवरी को इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई थी और उसी हमले के बाद युद्ध शुरू हुआ। इसके बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं और सोमवार को सर्वोच्च नेता बनने के बाद से उन्होंने कोई बयान भी नहीं दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के बेटे यूसुफ पेजेश्कियन ने टेलीग्राम ऐप पर रात में एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा , मैंने मोजतबा के घायल होने की खबरें सुनीं। मैंने उनके संपर्क में रहे मित्रों से इसके बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि अल्लाह का शुक्र है, वह स्वस्थ हैं और कोई समस्या नहीं है।

बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाज नष्ट किए : अमेरिकी सेना

दुबई, भाषा। अमेरिका ने कहा है कि उसने बारूदी सुरंग बिछाने वाले ईरान के 16 जहाज नष्ट किए हैं वहीं ईरान ने क्षेत्र के तेल निर्यात को रोकने का प्रण करते हुए कहा कि वह अपने दुश्मनों को एक लीटर भी तेल भेजने की अनुमति नहीं देगा। युद्ध का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पड़ने वाले असर को लेकर बढ़ती चिंता के बीच अमेरिकी सेना ने बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जहाजों को नष्ट करने का दावा करते हुए कुछ वीडियो भी जारी किए। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान द्वारा विस्फोटक लगाए जाने की कोई सूचना नहीं है। इसी जलमार्ग के जरिए दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की ढुलाई होती है। वहीं ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि वह अगले आदेश तक इस क्षेत्र से शत्रु पक्ष और उसके सहयोगियों को एक लीटर तेल का निर्यात भी नहीं होने देगा। संघर्ष के 11वें दिन में प्रवेश करने के साथ ही दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी तेज कर दी है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी अब तक के सबसे भीषण हमलों का संकल्प दोहराया है। इस संघर्ष का असर पश्चिम एशिया और उससे बाहर के क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। ईरान के नेताओं ने बातचीत की संभावनाओं से इनकार कर दिया और ट्रंप को चेतावनी देते हुए इजराइल तथा खाड़ी के अरब देशों पर नए हमले शुरू कर दिए। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि प्रिंस सुल्तान एयर बेस समेत उसके कई ठिकानों की ओर दागी गई मिसाइलों को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया।

अस्थाई तौर पर रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए 30 दिनों की छूट

व्हाइट हाउस ने भारत को बताया अच्छा सहयोगी

» न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के लिए उसने भारत को अस्थाई रूप से उन रूसी तेल खेपों को स्वीकार करने की अनुमति दी है जो पहले से जहाजों में लदी हुई थीं। अधिकारी ने यह भी कहा कि भारत में अमेरिका के सहयोगी अच्छे भागीदार हैं। अमेरिका ने पिछले सप्ताह कहा था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के मद्देनजर वह भारतीय रिफाइनरियों को अस्थाई तौर पर रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए 30 दिनों की छूट दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और पूरी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम इस फैसले पर इसलिए पहुंची, क्योंकि भारत में हमारे सहयोगियों ने अच्छा व्यवहार किया है और उन्होंने प्रतिबंधित रूसी तेल खरीदना पहले ही बंद कर दिया था।

उन्होंने कहा, ईरानियों की वजह से दुनिया भर में तेल आपूर्ति में आई अस्थाई कमी को दूर करने की हमारी कोशिशों के बीच हमने उन्हें (भारत को) रूसी तेल स्वीकार करने की अस्थाई अनुमति दी है। यह रूसी तेल पहले से समुद्र में था। हमें नहीं लगता कि इस अल्पकालिक कदम से रूस सरकार को इस समय कोई बड़ा वित्तीय लाभ होगा। लेविट ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट देने संबंधी अमेरिकी फैसले को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। उनकी टिप्पणियों की भारत में तीखी आलोचना हुई और कांग्रेस ने कहा कि उनके बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए आत्मसमर्पण का प्रमाण पत्र है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, अमेरिकी वित्त मंत्री के बाद, अब राष्ट्रपति ट्रंप के प्रेस सचिव की बारी है कि वह प्रधानमंत्री मोदी को आत्मसमर्पण प्रमाणपत्र दें। उनके अनुसार, मोदी सरकार ने रूस से तेल के आयात को रोकने पर सहमति व्यक्त करके अच्छा व्यवहार किया है और एक इनाम के रूप में अब उसे 30 दिनों की अवधि के लिए ऐसा करने की अनुमति दी गई है। आलोचनाओं के बीच भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत, दुनिया भर में तेल की स्थिर कीमतें बनाए रखने में एक महान सहयोगी रहा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिका इस प्रयास के हिस्से के रूप में रूसी तेल की लगातार खरीद को मान्यता देता है। भारत तेल का सबसे बड़ा उपभोक्ता और शोधक है, और दोनों देशों के नागरिकों के वास्ते बाजार की स्थिरता बनाए रखने के लिए अमेरिका और भारत का कदम से कदम मिलाकर चलना आवश्यक है। अमेरिका ने ईरान के साथ संघर्ष के बीच पिछले सप्ताह कहा था कि वह भारतीय रिफाइनरी को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देते हुए 30 दिन की अस्थाई छूट जारी कर रहा है। ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगाया था और अमेरिकी प्रशासन ने आरोप लगाया था कि नई दिल्ली की खरीद से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को मदद मिल रही है। इसके बाद, पिछले महीने अमेरिका और भारत ने घोषणा की थी कि उन्होंने व्यापार पर एक अंतरिम समझौते की रूपरेखा तैयार कर ली है। इसके साथ ही ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क को हटाने संबंधी एक शासकीय आदेश जारी किया था।

भारत को समुद्र में मौजूद रूसी तेल को स्वीकार करने की अनुमति अस्थाई रूप से दी गई : व्हाइट हाउस

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि अमेरिका ने ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत को समुद्र में पोत पर पहले से मौजूद रूसी तेल स्वीकार करने की अनुमति अस्थाई रूप से दी है और इस अल्पकालिक कदम से रूस को कोई बड़ा वित्तीय लाभ नहीं होगा। लेविट ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और पूरी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि भारत अच्छा सहयोगी रहा है और उसने प्रतिबंधित रूसी तेल खरीदना पहले बंद कर दिया था। उन्होंने कहा, ईरानियों की वजह से दुनिया भर में तेल आपूर्ति में आई अस्थाई कमी को दूर करने की हमारी कोशिशों के बीच हमने उन्हें (भारत को) रूसी तेल स्वीकार करने की अस्थाई अनुमति दी है। यह रूसी तेल पहले से समुद्र में था। हमें नहीं लगता कि इस अल्पकालिक कदम से रूस सरकार को इस समय कोई बड़ा वित्तीय लाभ होगा। लेविट ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट देने संबंधी अमेरिका के फैसले को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। अमेरिका ने ईरान के साथ संघर्ष के बीच पिछले सप्ताह कहा था कि वह भारतीय रिफाइनरी को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देते हुए 30 दिन की अस्थाई छूट जारी कर रहा है। ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगाया था और अमेरिकी प्रशासन ने आरोप लगाया था कि नई दिल्ली की खरीद से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को मदद मिल रही है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका की अदालत ने 84 ईरानी नाविकों के शव दूतावास को सौंपने का आदेश दिया

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका की एक अदालत ने बुधवार को आदेश दिया कि श्रीलंका के तट के पास एक ईरानी जहाज पर अमेरिका की ओर से किए गए हमले में मारे गए 84 ईरानी नाविकों के शव ईरान के दूतावास को सौंप दिए जाएं। फिलहाल शवों को गाले के राष्ट्रीय अस्पताल में दो फीजर कंटेनर में रखा गया है। मुख्य मजिस्ट्रेट (गाले) समीरा डोडंगोडा ने अस्पताल के निदेशक को शवों को ईरानी दूतावास को सौंपने का आदेश दिया। गाले हार्बर पुलिस के अनुरोध के बाद यह आदेश दिया गया।

पिछले सप्ताह बुधवार को श्रीलंका ने कहा था कि उसने अमेरिकी पनडुब्बी हमले में देश के दक्षिणी तट पर गाले के पास ईरानी जहाज आईआरआईएस डेना के डूबने के बाद ईरान के 84 नाविकों के शव बरामद किए हैं। यह जहाज भारत के विशाखापत्तनम से ईरान लौट रहा था, यहां इसने नौसेना के अभ्यास में भाग लिया था। जीवित बचे 32 लोगों को भी गाले के राष्ट्रीय अस्पताल लाया गया था जिन्हें रविवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और गाले के कोग्गला स्थित श्रीलंका वायुसेना अड्डे पर ले जाया गया। श्रीलंका सरकार ने पहले कहा था कि शवों को देश में तब तक रखा जाएगा जब तक हालात नहीं सुधरते।

पत्नी की हत्या के आरोप में वांछित भारतीय नागरिक पर 10 लाख डॉलर का इनाम घोषित

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पत्नी की कथित हत्या के आरोपी भारतीय नागरिक के बारे में सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। इस आरोपी पर पहले 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम घोषित था। भद्रेशकुमार चेतनभाई पटेल (35) पर आरोप है कि उसने 12 अप्रैल 2015 को मैरीलैंड के हैनोवर में चाकू से कई बार वार कर अपनी पत्नी पलक पटेल (21) की हत्या कर दी। यह वारदात उस दुकान में हुई जहां दोनों काम करते थे।

जांचकर्ताओं का मानना है कि पटेल ने देर रात दुकान के पिछले कमरे में अपनी पत्नी पर कई बार चाकू से वार किया और फिर पीछे के दरवाजे से भाग गया। आरोपी को आखिरी बार न्यू जर्सी के नेवार्क इलाके में देखा गया था। भद्रेशकुमार एफबीआई की 10 सर्वाधिक वांछित अपराधियों की सूची में शामिल है। संघीय एजेंसी ने मंगलवार को घोषणा की कि आरोपी की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को अब 10 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम दिया जाएगा। शुरुआत में एफबीआई ने पटेल के बारे में जानकारी देने पर एक लाख डॉलर का इनाम घोषित किया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 2.5 लाख डॉलर कर दिया गया था।

नेपाल की आरएसपी को आनुपातिक प्रतिनिधित्व श्रेणी के अंतर्गत सबसे अधिक मत मिले

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल में आनुपातिक प्रतिनिधित्व श्रेणी के तहत मतों की गिनती बुधवार को समाप्त हो गई, जिसमें राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को सबसे अधिक मत मिले। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कुल 275 सीट हैं। इनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के माध्यम से चुने जाते हैं, जबकि 110 सदस्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से चुने जाते हैं। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, मतगणना पूरी हो चुकी है। हालांकि, अंतिम परिणाम अभी प्रकाशित नहीं किए गए हैं क्योंकि आंकड़े दर्ज किए जाने का काम अभी जारी है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कुल 1,07,85,876 मतों की गिनती हुई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 51,57,130 वोट मिले, जबकि नेपाली कांग्रेस को 17,55,872 मत प्राप्त हुए। सीपीएन (यूएमएल) को 14,52,758 मत जबकि ने ओली कम्युनिस्ट पार्टी को 8,09,577 मत मिले। श्रम संस्कृति पार्टी को 3,85,741 मत और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को 3,30,268 मत मिले। नेपाल में पांच मार्च को हुए प्रत्यक्ष मतदान में आरएसपी ने 165 में से 125 सीट जीतकर इतिहास रच दिया। नेपाली कांग्रेस ने 18, सीपीएन (यूएमएल) ने नौ, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने सात, श्रम संस्कृति पार्टी ने तीन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने एक और निर्दलीय ने एक सीट जीती।

रोमानिया ने उसके सैन्य अड्डों के इस्तेमाल करने का अमेरिका का अनुरोध स्वीकारा

बुखारेस्ट, भाषा। रोमानिया के शीर्ष रक्षा निकाय ने बुधवार को अमेरिका के उस अनुरोध को मंजूरी दे दी, जिसमें ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान में मदद के लिए इस नाटो देश के सैन्य अड्डों में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने और उनका उपयोग करने की बात कही गई थी। राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने रक्षा पर राष्ट्रीय सर्वोच्च परिषद की बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैठक का आयोजन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए किया गया था। इस समझौते के तहत विमानों में ईंधन भरने और उपग्रह संचार एवं निगरानी उपकरणों के लिए सैनिकों की अस्थाई तैनाती की अनुमति होगी।

जयशंकर और लावरोव ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

» मॉस्को, भाषा।

भारत और रूस के विदेश मंत्रियों, क्रमशः एस. जयशंकर एवं सर्गेई लावरोव ने बुधवार को टेलीफोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। रूसी विदेश मंत्रालय की वेब पोर्टल पर जारी बयान में कहा गया, दोनों मंत्रियों ने ईरान को लेकर स्थिति पर अपने विचार साझा किए और इसे शीघ्र ही स्थिति सामान्य होने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बयान में कहा गया, उन्होंने स्थिति को शांत करने और सभी पक्षों के वैध हितों के संतुलन पर आधारित स्थाई समाधान प्राप्त करने की परिस्थितियों के निर्माण में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और ब्रिक्स की भूमिका का समर्थन करने पर भी जोर दिया। एससीओ के सदस्य ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के 12 दिन हो चुके हैं, जिनमें इस हमले के पहले दिन 28 फरवरी को उसके सर्वोच्च नेता सैयद अली खामेनेई और कई शीर्ष कमांडर मारे गए थे। तेहरान द्वारा खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर की गई जवाबी हमलों ने उन देशों की सिविल और ऊर्जा अवसंरचना को गंभीर नुकसान पहुंचाया, जिन्हें नई दिल्ली और मॉस्को दोनों ने रणनीतिक साझेदार माना है। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार, लावरोव और जयशंकर ने द्विपक्षीय एजेंडे के कुछ पहलुओं पर भी चर्चा की, हालांकि मंत्रालय ने इसके विवरण नहीं दिए।

स्टार्मर को मैंडलसन की नियुक्ति में बदनामी के जोखिम की चेतावनी दी गई थी : दस्तावेज

लंदन, भाषा। ब्रिटिश सरकार द्वारा बुधवार को जारी किए गए दस्तावेजों से पता चलता है कि अधिकारियों का मानना था कि यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन के साथ पीटर मैंडलसन के संबंधों के कारण उन्हें अमेरिकी राजदूत के रूप में नियुक्त करने से बदनामी का जोखिम था। मैंडलसन को इस पद पर नियुक्त किए जाने से पहले ए चिंताएं दिसंबर 2024 में प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर को भेजे गए एक दस्तावेज में उठाई गई थीं। मैंडलसन की नियुक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इन दस्तावेज में लेबर पार्टी की पूर्व सरकार के दौरान मैंडलसन के वित्तीय मामलों से संबंधित कार्यों, जिनमें बड़े दानदाताओं से संबंधित मामले और उनके द्वारा सह-स्थापित पैरोकारी फर्म ग्लोबल कार्उंसिल में उनके काम से जुड़े अन्य प्रतिष्ठा संबंधी मुद्दों का भी उल्लेख किया गया है।

उत्तर कोरिया के नेता किम ने अपनी बेटी के साथ क्रूज मिसाइल का परीक्षण देखा

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी ने एक युद्धपोत से दागी गई क्रूज मिसाइलों का परीक्षण देखा। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। उत्तर कोरिया ने यह परीक्षण ऐसे समय में किया है जब उसने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का जवाब देने की हाल में धमकी दी थी। केसीएनए की एक रिपोर्ट के अनुसार, किम जोंग उन ने मंगलवार को वीडियो के माध्यम से मिसाइल प्रक्षेपण देखा और परमाणु युद्ध को रोकने के लिए शक्तिशाली और विश्वसनीय हथियार रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस रिपोर्ट में हालांकि उनकी बेटी का कोई जिक्र नहीं था। ऐसा बताया जाता है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ की आयु लगभग 13 साल है और वह 2022 के अंत से ही सैन्य परेड और हथियार प्रक्षेपण सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आती रही हैं। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि किम जोंग उन अपनी बेटी को अपना उत्तराधिकारी नामित करने वाले हैं। केसीएनए ने बताया कि इन मिसाइल ने उत्तर कोरिया के पश्चिमी तट पर स्थित लक्षित द्वीपों को निशाना बनाया। उसने किम जोंग उन के हवाले से कहा कि ये प्रक्षेपण नौसेना के रणनीतिक आक्रामक रुख का प्रदर्शन करने और सैनिकों को हथियारों के संचालन से परिचित कराने के उद्देश्य से किए गए थे। किम जोंग उन ने पिछले सप्ताह चोए ह्योन से इसी तरह के क्रूज मिसाइल प्रक्षेपणों को व्यक्तिगत रूप से देखा था, लेकिन उस दौरान उनकी बेटी मौजूद नहीं थीं। इससे पहले उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी रखने की आलोचना करते हुए मंगलवार को कहा था कि यह कदम वैश्विक सुरक्षा के लिए संवेदनशील समय में उठाया गया है और उत्तर कोरिया की सुरक्षा को किसी भी तरह की चुनौती भयानक परिणाम ला सकती है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने इससे एक दिन पहले हजारों सैनिकों की भागीदारी वाले 11 दिन के फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास की शुरुआत की थी।

होर्मुज जलडमरूमध्य में मिसाइल से हमले के बाद एक मालवाहक पोत में आग लगी : ब्रिटेन की सेना

दुबई, भाषा। होर्मुज जलडमरूमध्य में बुधवार को एक मालवाहक पोत पर मिसाइल हमला होने के बाद उसमें आग लग गई। ब्रिटेन की सेना ने यह जानकारी दी। इससे पहले अमेरिका ने बारूदी सुरंग बिछाने वाले उन ईरानी पोतों को निशाना बनाया था जिनके फारस की खाड़ी के संकरे मुहाने को निशाना बनाने की आशंका थी। ब्रिटिश सेना द्वारा संचालित यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर (यूकेएमटीओ) ने बताया कि पोत को जलडमरूमध्य में ओमान के ठीक उत्तर में निशाना बनाया गया। उसने बताया कि चालक दल के सदस्य पोत को खाली कर रहे हैं। ईरान ने इस हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली लेकिन वह जलडमरूमध्य और उसके आसपास पोतों को निशाना बनाता रहा है। इससे उस जलमार्ग में व्यवधान पैदा हुआ है जहां से दुनिया भर में होने वाले तेल और प्राकृतिक गैस के कुल कारोबार के पांचवें हिस्से का परिवहन होता है। यूकेएमटीओ ने इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात में रास अल-खैमाह के निकट एक पोत को निशाना बनाकर किए गए एक अन्य हमले की भी जानकारी दी थी।

वाहन आग की लपटों में पूरी तरह घिरा हुआ था

स्विट्जरलैंड के शहर में बस में आग लगने से छह लोगों की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

» जिनेवा, भाषा।

स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के पश्चिम में स्थित एक शहर में बस में आग लग जाने से छह लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फ्राइबर्ग क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम में स्थित केर्जर्स शहर में मंगलवार शाम हुई यह घटना जानबूझकर किया गया कृत्य हो सकती है। यह क्षेत्रीय परिवहन बस पोस्टबस द्वारा संचालित की जाती है जो राष्ट्रीय डाक सेवा से संबद्ध है।

मीडिया में प्रसारित घटनास्थल की तस्वीरों में बस आग की लपटों से घिरी नजर आ रही है। क्षेत्रीय सरकार ने एक बयान में कहा, मौके पर तुरंत पहुंचे बचाव दलों ने पाया कि वाहन आग की लपटों में पूरी तरह घिरा हुआ था। पुलिस ने कहा कि एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर दलों ने गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को अस्पताल पहुंचाया और दो अन्य का घटनास्थल पर उपचार किया गया। पापो ने बताया कि कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

बस में आग संभवतः जानबूझकर लगाई गई : स्विट्जरलैंड पुलिस

जिनेवा। स्विट्जरलैंड के एक शहर में बस में आग लग जाने से छह लोगों की मौत होने की घटना के बाद पुलिस ने बताया कि यह आग संभवतः जानबूझकर लगाई गई थी। स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के पश्चिम में स्थित एक शहर में बस में आग लग जाने से छह लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। फ्राइबर्ग क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम में स्थित केर्जर्स शहर में मंगलवार शाम हुई यह घटना जानबूझकर किया गया कृत्य हो सकती है। इस घटना ने स्विट्जरलैंड के क्रान्स-मोंटाना स्की रिसॉर्ट में नए साल के दौरान आग लगने की उस घटना की याद दिला दी, जिसमें 41 लोग मारे गए थे। फ्राइबर्ग पुलिस की प्रतिनिधि क्रिस्टा बीलमैन ने स्विट्जरलैंड के प्रसारणकर्ता एसआरएफ से कहा, ऐसी जानकारी मिल रही है कि एक व्यक्ति ने बस में अपने ऊपर ज्वलनशील तरल पदार्थ डाला और इसी के कारण आग लगी हालांकि अभी जांच जारी है और इसकी पुष्टि करने की कोशिश की जा रही है। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन ने घटना पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मामले की जांच की जा रही है। मैं केर्जर्स में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मेरी सहानुभूति घायलों और बचाव कर्मियों के साथ है। फ्राइबर्ग कैंटोनल पुलिस के संचार प्रमुख मार्शल पुगिन ने बुधवार सुबह प्रसारणकर्ता आरटीएस को बताया कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि यह एक आतंकवादी हमला था। क्षेत्रीय परिवहन बस पोस्टबस द्वारा संचालित की जाती है जो राष्ट्रीय डाक सेवा से संबद्ध है। पोस्टबस ने भी इस घटना पर शोक व्यक्त किया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com